RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 परिणीति चोपड़ा से इनसिक्योर...

वर्ष : 26 अंक : 258 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 09 सितंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

'पुलिस में सीधे भर्ती हो रहे हैं पदक जीतने वाले खिलाड़ी'

सीएम योगी ने किया 73वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर का शुभारंभ

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 73वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग कलस्टर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों का वर्णन किया।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की संकल्पना के लिए जो कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे, उनमें खेल और खेलकूद की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण हैं। खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, गांव-राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। हर तबके का व्यक्ति इन आयोजनों के साथ जुड़ रहा है। पेरिस में पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के जज्बे को पूरा देश और दुनिया देख रही है कि कैसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी

प्रतिभा और तेज का लोहा मनवाने का भी काम किया है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों के लिए व्यापक कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। हम लोगों ने खेल नीति भी बनाई। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड व विश्व चैंपियनशिप में जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करते हैं, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम में उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाने की कार्रवाई हो रही है। अब तक ऐसे 500 से अधिक खिलाड़ियों को हम लोगों ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सीधी भर्ती करने की कार्रवाई के साथ जोड़ा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन आज उत्तर प्रदेश पुलिस बल को नई गति देने में योगदान दे रहे हैं। खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए 57000 ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, 825 विकास खंडों में मिनी स्टेडियम और 75 जनपदों में स्टेडियम निर्माण के कार्यक्रम को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।

सीएम योगी ने कहा कि नाम भले ही अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन सबका कार्य व मिशन एक ही है और वह है भारत की सुरक्षा। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

जनगणना के लिए बने सांख्यिकी सर्वेक्षण पैनल को किया भंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने जनगणना के लिए बने सांख्यिकी सर्वेक्षण के पैनल को भंग कर दिया है। बता दें कि केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री और पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद् प्रणब सेन की अध्यक्षता वाली सांख्यिकी पर 14 सदस्यीय स्थायी समिति को भंग कर दिया है।

केंद्र सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से सभी सांख्यिकीय सर्वेक्षणों की देखरेख के लिए गठित समिति को भंग कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक जनगणना में देरी को लेकर समिति के कुछ सदस्यों की तरफ से चिंता जताई जा रही थी। मंत्रालय की तरफ से पैनल के सदस्यों को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि समिति की तरफ से किया गया कार्य हाल ही में गठित राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों के लिए संचालन समिति की तरफ से किए गए कार्य के समान है और इसलिए समिति को भंग किया जा रहा है।

वहीं कांग्रेस ने स्थायी समिति को कथित तौर पर भंग किए जाने को लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इसके सदस्य बार-बार सवाल कर रहे थे कि 2021 में होने वाली दशकीय जनगणना अभी तक क्यों नहीं कराई गई है।

निर्माणाधीन मकान से मजदूर गिरा, मौत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 20 थाना क्षेत्र के सेक्टर-27 में निर्माणाधीन मकान में काम करते समय नीचे गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई।

थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के सेक्टर-27 में निर्माणाधीन एक मकान में काम करते समय निरंजन (40 वर्ष) ऊंचाई से नीचे गिर गया था। गंभीर हालत में उपचार के लिए उन्हे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। वहीं दिनेश कुमार पुत्र

बाबूलाल चौधरी (40 वर्ष) निवासी जनपद झुंझुनू राजस्थान काम करते समय ऊंचाई से नीचे गिर गए। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

विभिन्न स्थानों पर तीन महिलाओं ने की खुदकुशी

नोएडा (चेतना मंच)।

विभिन्न थाना क्षेत्र में तीन महिलाओं द्वारा आत्महत्या करने के मामले प्रकाश में आए हैं।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-100 स्थित एमआईजी ग्रीन व्यू अपार्टमेंट में रहने वाली एक (39 वर्षीय) महिला ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर जहरीला पदार्थ पी लिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मोनालिसा पचौरी पत्नी दीपक पचौरी (39 वर्ष) सेक्टर-100 स्थित एमआईजी ग्रीन व्यू अपार्टमेंट में रहती थी। रविवार को अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते

जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

थाना सेक्टर-20 के तहत सेक्टर-19 में रहने वाली श्रीमती संध्या (26 वर्ष) पत्नी पंकज ने तीन दिन पूर्व अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया था। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

वहीं थाना बिसरख क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती काजल (21 वर्षीय) ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

महाठग सुपरटेक बिल्डर के कारनामों का पर्दाफाश

36 हजार फ्लैट बॉयर्स से की 9 हजार करोड़ की ठगी, सेक्टर-39 में मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली-एनसीआर के सबसे बड़े महाठग बिल्डर्स की ठगी की काली करतूतों का भंडाफोड़ दिनोंदिन खुलता जा रहा है। अब पता चला है कि सुपरटेक बिल्डर ने अपने 17 प्रोजेक्ट में करीब 36 हजार फ्लैट बॉयर्स के साथ 9 हजार करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की है।

सुपरटेक बिल्डर के खिलाफ 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मुकदमा सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया है। आरोप है कि सुपरटेक के 17 प्रोजेक्ट के 36 हजार से अधिक बायर्स की रकम की धोखाधड़ी की गई। बायर्स के प्रतिनिधि की शिकायत पर सुपरटेक बिल्डर, एमडी समेत अन्य के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुपरटेक बिल्डर के 17 प्रोजेक्ट के बायर्स की तरफ से गुलशन कुमार ने शिकायत में कहा कि सुपरटेक बिल्डर के निदेशकों ने 36 हजार से अधिक गृह खरीदारों की गाढ़ी कमाई की रकम में हेरफेर किया है। कंपनी ने एनसीएलटी को भी 9 हजार करोड़ रुपये की राशि की जानकारी नहीं दी है। मामले में पुलिस ने सुपरटेक बिल्डर व उसके निदेशक राम किशोर अरोड़ा, मोहित अरोड़ा, विकास कंसल, अनिल कुमार शर्मा, गुलशन लाल खेड़ा, प्रदीप कुमार गोयल, अनिल कुमार जैन, मनदीपा जोशी, सृष्टि दत्ता के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है।

आरोप है कि कंपनी के निदेशकों ने प्रमुख फाइनेंसर कंपनी के साथ मिलकर साजिश रची। कंपनी इकाइयों की बुकिंग के समय किए सभी वादों से मुकर गई। इस बाबत सुपरटेक प्रबंधन से पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने किसी तरह की टिप्पणी से मना कर दिया।

सेक्टर-58 व बिसरख क्षेत्र से दो अज्ञात शव मिले

नोएडा (चेतना मंच)। विभिन्न थाना क्षेत्रों में दो अज्ञात शव मिले हैं। अभी तक शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

थाना बिसरख क्षेत्र के चिपियाना बुजुर्ग के पास एक (50 वर्षीय) अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। मौत के कारण का पता

लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। उधर थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शवों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

मौत के कारणों की जानकारी के लिए पुलिस शवों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

ट्रेन हादसे की साजिश नाकाम

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में बर्राजपुर और बिल्हौर के बीच जिस जगह भरे हुए एलपीजी सिलिंडर की मदद से कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है।

शुरूआती जांच में पता चला है कि घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक बैग और तरल पदार्थ भरी बोतल मौजूद थी जिसमें बाती लगी हुई थी। ऐसे में आशंका है कि बोतल में भरे ज्वलनशील पदार्थ को घटना को और बड़ा बनाने के लिए उपयोग करने की तैयारी थी। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बहाली के बाद नोएडा प्राधिकरण में तैनात हुए वैभव गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। यूपीसीडा में नियोजन विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक के पद से सस्पेंड होने के बाद बहाल हुए वैभव गुप्ता की तैनाती नोएडा प्राधिकरण में कर दी गई है।

यह आदेश प्रदेश के औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने आज जारी किये हैं। जिसमें वैभव गुप्ता को नोएडा प्राधिकरण में तैनात कर दिया गया है। बता दें कि वैभव गुप्ता नोएडा प्राधिकरण में नियोजन विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक थे। उनका तबादला यूपीसीडा में किया गया था। उसके बाद 27 मार्च 2024 को उन्हें एक मामले में सस्पेंड कर दिया गया था। उसकी जांच यूपीसीडा के एसीईओ प्रेम प्रकाश मीणा को सौंपी गई थी। जांच में वैभव गुप्ता दोषमुक्त पाये गये। जिसके बाद उन्हें 20 अगस्त 2024 को उन्हें बहाल कर दिया गया था। अब उन्हें नोएडा में तैनाती मिल गई है।

एसटीएफ पर लगाया फोन टैपिंग का आरोप

अमिताभ ठाकुर ने राज्यपाल से की जांच की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा कथित रूप से नियमों के विरुद्ध लोगों की फोन टैपिंग किए जाने के आरोपों के संबंध में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को शिकायत भेजी है।

शिकायत में कहा गया है कि भारत में फोन टैपिंग भारतीय टेलीग्राफ एक्ट की धारा 52 और भारतीय टेलीग्राफ नियम के नियम 419ए के प्रावधानों में किया जाता है। जिसमें विशेष स्थितियों में आईजी से ऊपर पद के अधिकारी को 3 दिन तक फोन टैपिंग का अधिकार है। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 6 माह तथा सर्विस प्रोवाइडर द्वारा 2 माह में अभिलेखों को नष्ट करने का प्रावधान है।

विश्वस्त अंतरिक सूत्रों की जानकारी के अनुसार एसटीएफ के बड़े अफसरों द्वारा इन कानूनी प्रावधानों की कमियों का इस्तेमाल करके सर्विस प्रोवाइडर के नोडल अफसरों को साथ लेकर गृह सचिव की आज्ञा के बिना भारी संख्या में 3-3 दिन की फोन टैपिंग किए जाने की शिकायत है। अमिताभ ठाकुर ने कहा **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

अब डायाफ्राम तकनीक से बनेंगे अंडरपास!

एक्सप्रेसवे पर 180 करोड़ की लागत से बनेंगे दो अंडरपास

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा लोगों की सहूलियत के मद्देनजर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर 2 अंडरपास बनाए जाएंगे। इसमें करीब 180 करोड़ रूपये का खर्च आएगा।

खास बात यह है कि पहली बार बॉक्स पुशिंग तकनीक के बजाय इन अंडरपास का निर्माण डायाफ्रॉम तकनीक से बनेगा। 2020 के बाद एक्सप्रेसवे पर कोंडली, एडवंट और सेक्टर-96 अंडरपास बॉक्श पुशिंग तकनीक पर बनवाए गए थे। इसमें लगातार एक्सप्रेस वे की सड़क धंसने की समस्याएं सामने आई थीं। इसलिए अबकी बार झट्टा व सुल्तानपुर अंडरपास के लिए प्राधिकरण डायाफ्राम तकनीक का चयन किया है।

इसमें बगैर खुदाई के डायाफ्राम वॉल कास्ट की जाएगी। इसके बाद दो

तरफ जमीन के अंदर यह दीवार बनाकर उसके ऊपर अंडरपास की छत ढाल दी जाएगी। नीचे दोनों दीवारों व छत के बीच की मिट्टी खोदाई कर निकाली जाएगी। इसके बाद नीचे की सड़क का काम शुरू होगा। इसी तरह से दोनों लेन का काम प्राधिकरण करवाएगी। इसके कारण कुछ दिनों तक ट्रैफिक का संचालन प्रभावित रहेगा।

एक अंडरपास झट्टा गांव के सामने बनाया जाएगा। यह अंडरपास सेक्टर-145, 146, 155 और 159 के बीच बनाया जाएगा। यह करीब 87 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। दूसरा अंडरपास सुल्तानपुर गांव के सामने बनाया जाएगा। यह अंडरपास सेक्टर-128, 129, 132 और 108 के बीच बनेगा। दोनों अंडरपास की डीपीआर लगभग तैयार हो गई है। एक बार सीईओ के समक्ष फाइनल प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा।

इसके बाद इसको मंजूरी के लिए आईआईटी के पास भेज दिया जाएगा। वहां से डीपीआर मंजूरी होने के बाद कुछ प्रक्रिया पूरी कर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। अभी दोनों जगह छोटे अंडरपास बने हुए हैं। यहां बड़े वाहन अटक जाते हैं और लंबा जाम लग जाता है। इसके पास ही चार लेन का बड़ा अंडरपास बनाया जाएगा। बड़े अंडरपास बनने से जाम की समस्या दूर हो जाएगी। ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर पिछले डेढ़ से दो साल में तीन नए अंडरपास बनकर तैयार हुए हैं। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सेक्टर-126 थाने के अंदर रील बनाने का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-126 थाने के अंदर रील बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 18 सेकेंड के वायरल वीडियो में दो युवक थाने के अंदर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पीछे से कोई वीडियो बना रहा है। वीडियो में तेज संगीत के साथ गाना बज रहा है जिसमें दारु और कट्टा जैसे शब्दों का इस्तेमाल है। युवक वीडियो बनाते हुए एक कार के पास पहुंचता है। कार के शीशे पर 251, 125 बीएनएस की धारा लिखी हुई दिखाई पड़ रही है।

इस पर आठ अगस्त की तारीख भी लिखी हुई है। युवक हिम्मत दिखाते हुए बिना किसी काम के थाने में जाता है और वीडियो बनाकर वापस आ जाता है। पुलिस को भनक तक नहीं लगती है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यूजर ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर जांच कर रही है। साथ ही जल्द ही रील बनाने वाले इन युवकों की गिरफ्तारी की जाएगी।

प्रदूषण का संकट

यूं तो प्रदूषण का संकट देशव्यापी है। लेकिन जब दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है, तो स्वाभाविक है कि राष्ट्रीय राजधानी के तीन तरफ स्थित हरियाणा में उसका प्रभाव होगा ही। जिसके मूल में तंत्र की काहिली और नागरिकों की उदासीनता निहित है। बहरहाल, एक हालिया रिपोर्ट हरियाणावासियों की चिंता बढ़ाने वाली है कि देश के सौ सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 15 हरियाणा के हैं। जिसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति फरीदाबाद की है। इस साल की पहली छमाही में प्रदूषण के मुख्य कारक पीएम 2.5 के आधार पर हवा की गुणवत्ता का निर्धारण किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। यह गंभीर स्थिति है कि फरीदाबाद में पीएम 2.5 का स्तर 103 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा है। जबकि हरियाणा के तीन शहर पलवल, अंबाला और मांडीखेड़ा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुरूप संतोषजनक स्थिति में कहे जा सकते हैं। वहीं गुरुग्राम में पीएम 10 की सांद्रता सबसे अधिक 227 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रही, जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। विडंबना यह है कि मौजूदा समय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम केवल फरीदाबाद में ही चलाया जा रहा है। यह हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है। दरअसल, हरियाणा के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा,एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि आदरपूर्वक उनके चरण कमल धोए और बड़े ही पवित्र आसन पर उन्हें बैठाया। पूजा करके मुनि याज्ञवल्क्यजी के सुयश का वर्णन किया और फिर अत्यंत पवित्र और कोमल वाणी से बोले- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नाथ एक संसउ बड़ मोरें। करगत बेदतत्त्व सबु तोरें॥
कहत सो मोहि लागत भय लाजा। जौं न कहउँ बड़ होइ अकाजा॥
हे नाथ! मेरे मन में एक बड़ा संदेह है, वेदों का तत्त्व सब आपकी मुट्ठी में है (अर्थात आप ही वेद का तत्त्व जानने वाले होने के कारण मेरा संदेह निवारण कर सकते हैं) पर उस संदेह को कहते मुझे भय और लाज आती है (भय इसलिए कि कहीं आप यह न समझें कि मेरी परीक्षा ले रहा है, लाज इसलिए कि इतनी आयु बीत गई, अब तक ज्ञान न हुआ) और यदि नहीं कहता तो बड़ी हानि होती है (क्योंकि अज्ञानी बना रहता हूँ)॥
दो0-संत कहहिं असि नीति प्रभु श्रुति पुरान मुनि गाव।
होइ न बिमल बिबेक उर गुर सन किएँ दुराव॥
हे प्रभो! संत लोग ऐसी नीति कहते हैं और वेद, पुराण तथा मुनिजन भी यही बतलाते हैं कि गुरु के साथ छिपाव करने से हृदय में निर्मल ज्ञान नहीं होता॥
अस बिचारि प्रगटउँ निज मोहू। हरहु नाथ करि जन पर छोहू॥
राम नाम कर अमित प्रभावा। संत पुरान उपनिषद गावा॥
यही सोचकर मैं अपना अज्ञान प्रकट करता हूँ। हे नाथ! सेवक पर कृपा करके इस अज्ञान का नाश कीजिए। संतों, पुराणों और उपनिषदों ने राम नाम के असीम प्रभाव का गान किया है॥

(क्रमशः..)

जलवायु परिवर्तन में भूमिका की अनदेखी

जलवायु परिवर्तन के लिए जितने भी ज्ञात और चर्चित कारण हैं, उनमें अब नाइट्रोजन भी एक नया नाम बन गया है। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक इस पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ध्यान नहीं दिया। सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है।

दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के बारे में हालिया प्रकाशित फ्रंटियर्स रिपोर्ट बेहद चौंकाती है। साल 2018-2019 में तमाम अध्ययनों के बाद जारी चेतावनी में नाइट्रोजन प्रदूषक को खतरनाक बताया गया। लेकिन वैज्ञानिक अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह ऐसा मिश्रण बनकर सामने आया जो स्वास्थ्य, जलवायु तथा पारिस्थितिक तंत्र यानी ईको सिस्टम के लिए खतरनाक साबित हुआ। इससे जल-वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ। इसने पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के अलावा खेतों से उत्सर्जित अमोनिया भी इकोसिस्टम में पहुंच, दूसरी रासायनिक क्रियाओं के मेल से अम्लीय वर्षा तक के लिए जिम्मेदार दिखा। एयरकंडीशनर और फ्रिज में भरी जाने वाली गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स यानी एचएफसी गैसें भी नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड यानी 'एफ श्रेणी की बेहद खतरनाक गैसों' में हैं जो पर्यावरण के लिए कितनी खतरनाक हैं, सर्वविदित है।

वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती-किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई। लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने कोशिशें नहीं हुईं। जिस तेजी से सिंथेटिक उर्वरकों और पशुपालन में नाइट्रस ऑक्साइड का उपयोग बढ़ा, दबे पांव उतना ही इसने वायुमण्डल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। स्टैनफोर्ड के वैज्ञानिक शोधों से सामने आया कि नाइट्रस ऑक्साइड इतना शक्तिशाली है कि एक पाउंड गैस 114 साल तक एक पाउंड कार्बन की तुलना में वातावरण को लगभग 300 गुना अधिक गर्म करती है। कहीं

बेकाबू से बढ़ते तापमान के पीछे यही तो नहीं? वायुमंडल में इतने लंबे समय तक उपस्थिति और इसकी घातकता को समझ पाने में देरी तो हुई। नाइट्रस ऑक्साइड निश्चित रूप से समताप मंडल की ओजोन परत को नष्ट करने के साथ पृथ्वी को अधिक सौर विकिरण के संपर्क में लाकर नुकसान पहुंचाता है। जिससे फसल, मानव व अन्य जीव-जन्तुओं के स्वास्थ्य को गंभीर चुनौती पहुंचती है। इसके उत्सर्जन का लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक तो 40 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों से होता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों से इतना तो साफ हो गया है कि सन? 2020 के पहले के चार दशकों में ही इस गैस का उत्सर्जन 40 फीसदी बढ़ चुका था और दुनिया बेखबर थी! अब स्थिति यह हो गई कि दो साल पहले यानी 2022 तक वातावरण में नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा उस स्थिति पर पहुंच गई, जो कथित औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 25 प्रतिशत ज्यादा है। अत्यधिक चिंता यह कि दुनिया में ऐसी तकनीक भी नहीं जिससे वातावरण से इसे हटाया या समाप्त किया जा सके। साल 1980 से 2020 के बीच नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन में 67 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई। इसका कारण नाइट्रोजन आधारित खाद और जानवरों से निकलने वाले अपशिष्ट रहे। इसका खुलासा 58 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट 'ग्लोबल नाइट्रस ऑक्साइड बजट' में भी है।

अब जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान की चर्चाओं में नाइट्रोजन प्रदूषक भी अहम है। वायुमण्डल में इसकी मात्रा कहां, क्यों और कैसे बढ़ रही है यह विश्वव्यापी चिंता है। लेकिन जब चर्चा होगी तभी समाधान निकलेगा । एक वैश्विक रिपोर्ट बताती है कि साल 2011 से 2020 के दस साल में मानवीय गतिविधियों से निकली नाइट्रस ऑक्साइड कुल उत्सर्जन का तीन चौथाई थी। वहीं इसके बाद जीवाश्म ईंधन, कूड़ा, गंदा पानी और बायोमास जलाने जैसे स्रोत भी अथाह वृद्धि के कारण हैं। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का अंतर-सरकारी पैनल यानी आईपीसीसी का अनुमान है कि कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 6.4 फीसदी नाइट्रस ऑक्साइड है जो आने वाले सालों में और बढ़ेगा। यदि इस शताब्दी के अंत तक पृथ्वी के तापमान को औसतन 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ने से रोकना है तो 2050 तक इस गैस के उत्सर्जन में 20 फीसदी की गिरावट करनी ही होगी।

विडंबना देखिए नाइट्रस ऑक्साइड को सामान्यतः हंसी की गैस के रूप में जानते हैं। यह उत्साह की भावना पैदा करने वाली गैस कहलाती है। किसने सोचा था कि यह इतनी घातक भी होगी? बहरहाल, देर आयद दुरुस्त आयद की तर्ज पर तुरंत ही सक्रिय होना होगा।

-ऋतुपर्ण दवे

घरेलू बचत घटने की चिंताएं

यकीनन इस समय देश में आम आदमी का पहला आर्थिक और वित्तीय सहारा कही जाने वाली घरेलू बचत में लगातार कमी आने का चिंताजनक रुझान दिखाई दे रहा है। घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों के द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। गौरतलब है कि घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है। घरेलू बचत को बैंक और गैर बैंक जमा, जीवन बीमा निधि, भविष्यनिधि और पेंशननिधि, पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाओं तथा अन्य वित्तीय उपकरणों में निवेश किया जाता है। यदि हम घरेलू बचत संबंधी आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जो घरेलू बचत वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 18 फीसदी के स्तर पर थी, वह वर्ष प्रतिवर्ष घटते हुए वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 5.2 फीसदी स्तर पर आ गई और अब यह पिछले पांच दशकों में सबसे कम स्तर पर है। स्थिति यह है कि घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है। राष्ट्रीय लघु बचत प्राप्तियों के लिए इस वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 14.77 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। लेकिन 23 जुलाई को पेश किए गए वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट में लघु बचतों से प्राप्ति के अनुमान को घटाकर 14.20 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। चूंकि सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह राशि का भी उपयोग करती है।

निस्संदेह शताब्दियों से भारत एक ऐसा देश रहा है जहां लोग कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए घरेलू बचत के रूप में बचाकर रखते रहे हैं। लेकिन अब इस बचत की प्रवृत्ति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। लोगों के द्वारा आवास, वाहन, शिक्षा तथा अच्छे आरामदायक जीवन के लिए विभिन्न प्रकार के कर्ज लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जहां परिवारों की वित्तीय देनदारियां बढने से घरेलू बचत सीधे तौर पर कम हुई है, वहीं आय के एक हिस्से का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के ऋणों के ब्याज के भुगतान के लिए भी किए जाने से घरेलू बचत कम हुई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में लघु बचत योजनाओं के तहत जो 40 करोड़ से अधिक बचतकर्ता हैं, उनके द्वारा भी विभिन्न लघु बचत योजनाओं में तुलनात्मक रूप से कम ब्याज मिलने के कारण निवेश में कमी आई है। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), किसान विकास पत्र (केवीपी) और सुकन्या समृद्धि खाता जैसी अन्य योजनाओं के तहत कम निवेश प्राप्त हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में बदली हुई आयकर व्यवस्था के कारण भी आयकरदाताओं के द्वारा की जाने वाली घरेलू बचत में कमी आ

रही है। इस समय देश में आयकर भुगतान की पुरानी और नई दो कर रिजीम हैं। जहां पुरानी कर रिजीम में बचत और निवेश के लिए प्रोत्साहन हैं, वहीं नई कर रिजीम में बचत के वैसे प्रोत्साहन नहीं हैं। इस समय ज्यादातर आयकरदाता नई कर रिजीम अपना रहे हैं। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष 31 जुलाई तक आयकर आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर रिजीम के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर रिजीम में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है। इस प्रकार लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है। स्पष्ट है कि नई कर व्यवस्था से बचत व निवेश की जगह उपभोग खर्च बढ़ाने की प्रवृत्ति को अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है।

घरेलू बचत में कमी का एक कारण देश में महिलाओं के द्वारा उनके पास आने वाले धन का उपयुक्त निवेश नहीं किया जाना भी है राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2023 तक देश के बैंकों में कुल 252 करोड़ व्यक्तिगत खातों में से हर तीसरा खाता महिला के नाम पर है, लेकिन बैंकों में जमा कुल 187 लाख करोड़ रुपए में से सिर्फ 20 फीसदी ही महिला खातों में जमा हैं। ऐसा नहीं है कि घरेलू बचत में कमी का कारण देश में लोगों की आय में कमी आना है। वस्तुतः भारत में प्रतिव्यक्ति आय तेजी से बढ़ रही है। 10 वर्ष पहले वर्ष 2014-15 में जो प्रति व्यक्ति आय 86647 रुपए थी, वह 2023-24 में करीब 2.28 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। इस तरह तेजी से बढ़ी आय के साथ अब बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत का ऐसी जगह पर निवेश कर रहे हैं, जहां उनको ज्यादा ब्याज और ज्यादा रिटर्न मिल रहा है। लोगों की बचत का तेज प्रवाह शेयर बाजार म्युचुअल फंड, रियल एस्टेट, महंगे वाहनों, सोने एवं बहुमूल्य धातुओं की खरीदी और आरामदायक व विलासिता के सामानों की ओर बढ़ रहा है। देश के छलांगे लगाकर बढ़ते हुए शेयर बाजार में भी तेज रिटर्न मिल रहा है। 10 वर्ष पहले जो सेंसेक्स 25 हजार के स्तर पर था, आज वह 80 हजार के ऊपर है। जुलाई 2024 में भारतीय शेयर बाजार का आकार 5.5 ट्रिलियन डॉलर हो गया है और भारत का शेयर बाजार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है। बड़ी संख्या में लोगों के कदम म्युच्यल फंड की ओर बढ़े हैं। जून 2024 तक म्युच्यल फंड के लिए डीमैट खातों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढकर 16.2 करोड़ हो गई है।

विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में भी इस बात का विश्लेषण किया जा रहा है कि लोगों को घरेलू बचत की योजनाओं तथा बैंकों में बचत की धनराशि जमा करने से मिलने वाले रिटर्न की तुलना में शेयर बाजार, म्यूच्युल फंड और अन्य भौतिक सम्पत्तियों में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल रहा है। अतएव घरेलू बचत में कमी आ रही है। यद्यपि घरेलू बचत के घटने की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन घरेलू बचत का घटना किसी पारिवारिक या सामाजिक वित्तीय संकट की आहट नहीं है। रिजर्व बैंक के मुताबिक देश में परिवारों की वित्तीय देनदारियों में वृद्धि के बावजूद, परिवारों की बैलेंस शीट बेहतर बनी हुई है। मार्च 2023 के अंत में परिवारों की वित्तीय संपत्तियां उनकी देनदारियों की तुलना में 2.7 गुना थीं। भारतीय परिवारों का ऋण सेवा बोझ, यानी आय के प्रतिशत के रूप में ब्याज का भुगतान मार्च 2021 में 6.9 प्रतिशत से घटकर मार्च 2023 में 6.7 प्रतिशत रह गया, जो वैश्विक स्तर पर भी सराहनीय है। हम उम्मीद करें कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक के द्वारा बैंकों को तत्परतापूर्वक घरेलू बचतों के निवेश को आकर्षक और जोखिम रहित बनाने के लिए जो दिशा निर्देश दिए गए हैं, उनके मद्देनजर सभी बैंक अपनी बचत योजनाओं को आकर्षक बनाएंगे। बैंकों के द्वारा कुछ इनोवेटिव और आकर्षक पोर्टफोलियो लाए जाएंगे और जमा प्राप्त करने के नए बाजार तलाशे जाएंगे। हम उम्मीद करें कि वित्त मंत्रालय के द्वारा तत्परतापूर्वक घरेलू बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव हेतु समीक्षा करके ब्याज दरों में उपयुक्त वृद्धि की जाएगी।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
दोपहर के बाद से थोड़ा सा बचकर पार करिएगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु परास्त होंगे। जीवनसाथी के साथ सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भावनाओं पर काबू रखें। शत्रु स्वंय नतमस्तक होंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं का संकेत है। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृह कलह से बचें। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धन-हानि के संकेत हैं। निवेश करने से बचें। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
खर्चीला समय साबित होगा। अनाब-सनाब खर्चे होंगे। मन व्यथीत रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम, संतान अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम,संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा होगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रीय किसान समन्वय समूह की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। परी चौक स्थित अखिल भारतीय गुर्जर संस्कृति शोध संस्थान में राष्ट्रीय किसान समन्वय समूह के आह्वान पर दिल्ली, यू.पी., हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, एम.पी., छत्तीस गढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात , महाराष्ट्र , कर्नाटक सहित देश के लगभग 12 राज्यों के किसान नेताओं के मार्गदर्शन में शुरू हुए दो दिवसीय किसान चिन्तन शिविर में त्रि-स्तरीय पंचायती राज कानून की ही तरह महाराष्ट्र की तर्ज पर ग्राम सभा कानून बनाए जाने एवं अधिग्रहण अथवा सीधे रजिस्ट्री द्वारा जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20 प्रतिशत प्लॉट के साथ साथ रोजगार एवं पुनर्वासन के सभी लाभ दिए जाने और आबादियों का कानूनी रुप से निस्तारण किए जाने के साथ साथ फसलों के उचित मूल्य के लिए एम.एस.पी. गारंटी कानून को लागू किए जाने के मुद्दों पर गहन चर्चा के बाद लिए गए बड़े निर्णय के तहत आगामी 02 अक्टूबर को सभी राज्यों के किसानों ने अपने अपने जनपदों के गांवों में ग्राम सभा की मीटिंग कराने का निर्णय लेकर ग्राम सभा कानून लागू कराने का बिगुल फूंक दिया है। और जल्द ही केंद्रीय कृषि मंत्री से वार्ता कर अपने मुद्दे समझाने की बात कही है, किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों को नहीं माना गया तो अलग अलग राज्यों से शुरू होने वाला यह आंदोलन जल्द ही अब बड़े स्तर दिल्ली में किया जायेगा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले और राष्ट्रीय किसान समन्वय के राष्ट्रीय संयोजक दशरथ कुमार ने ग्राम स्वराज को समझाते हुए कहा कि महाराष्ट्र की तर्ज पर ग्राम सभा कानून बन जाने पर, 25 विभागों के मंत्रियों को भी ग्राम सभा से पूछकर पारदर्शिता के साथ गांवों में विकास का पैसा लगाना पड़ेगा।

किसान मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक किसान नेता सुनील फौजी एडवोकेट ने बताया कि भूमि अधिग्रहण कानून के तहत बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20 प्रतिशत प्लॉट, रोजगार और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के सभी लाभ दिए जाने के साथ साथ गांवों का सर्किल रेट वहां के बाजार मूल्य के अनुसार बढ़ाए जाने बात कही। भाकियू महात्मा टिकैत के अध्यक्ष अनिल तालान ने कहा कि एम.एस.पी. गारंटी कानून का कानून तुरन्त बनाया जाना चाहिए।

दिल्ली से आए अन्ना हजारे टीम के सदस्य वरिष्ठ समाजसेवी मनिंद्र जैन, मुम्बई से आई अन्ना आंदोलन टीम की नेता कल्पना इनामदार, छत्तीसगढ़ से आए किसान नेता पारसनाथ साहू ,हरियाणा किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष डी. के. शर्मा देहात मोर्चा के संजय राव, सिस्टम सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर आगरा, भाकियू कृषक शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर, जितेंद्र चौधरी, भाकियू अजगर के अध्यक्ष हरवीर नागर, भाकियू बलराज की महिला अध्यक्ष रेखा दीवाल, महाराष्ट्र से पी के चौहान, बिहार से डॉक्टर बृजेश कुमार, झारखंड से विजय कुमार, पंजाब से सोनी, बेरोजगार सभा के विजयपाल भाटी, जय जवान जय किसान मोर्चा के राजवीर मास्टर पल्ला, मेरठ के अनिल के सुभाष आदि ने अपने विचार रखे।

इस दौरान भाकियू अजगर के हरवीर नागर एवं नरेश चपरगढ़, भारतीय किसान सभा डॉ. रूपेश शर्मा एवं बीर सिंह नेता, राष्ट्रीय लोक दल के नेता भूपेंद्र चौधरी के अलावा महाराष्ट्र, एम.पी.,दिल्ली, जितेंद्र चौधरी, राजू नंबरदार, दीपक भाटी, फिरे भाटी, संजय नेता, डॉक्टर अरविंद नागर, नरेंद्र उर्फ निंदे, देवेंद्र भाटी, धर्मवीर भाटी आदि सहित सैकड़ों किसान एवं महिला किसान नेता उपस्थित रहे।

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की बैठक हुई सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव रूपबास में किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की बैठक गांव रूपबास में हुई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास भाटी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर बाकी सभी पार्टी के पद अधिकारीओ के संज्ञान में हुई जिसमे गांव के श्योराज प्रधान, भूले मुकद्दम, चौधरी चन्नी, हीरे, तेजसिंह, ऋषि चौहान, राजेंद्र, सोब्बी गुरु, डॉक्टर महावीर, चौधरी महावीर, फते सिंह, अमित, मनीष नागर,बबली भाटी, एडवोकेट मुनीराम, देवेंद्र भगत, भूमेश भगत, चौधरी परकाश, चौधरी रणबीर परमुख आदि अन्य युवाओं के बीच में हुई जिसमे करतार चौहान तहसील श्योजांक, राजेंद्र पायला ग्राम अध्यक्ष, लीलू गुरुजी रूपबास को मेरठ मंडल संघटन मंत्री का पद दिया गया।

इको विलेज-2 सोसाइटी का सपाइयों ने किया दौरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इको विलेज-2, सोसाइटी के अंदर दूषित पानी पीने से डायरिया फैलने से करीब 1500 बच्चों के बीमार होने के मामले में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में सपा नेताओं ने सोसाइटी का दौरा किया। और शासन-प्रशासन से सोसाइटी बीमारी फैलने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज सोसायटी में लगभग 2500 परिवार तथा 7500 लोग रहते हैं।

सोसाइटी के अंदर दूषित पानी की सप्लाई से लगभग 1500 बच्चे और लोग डायरिया की चपेट में आ गये है, शासन प्रशासन की तरफ से सोसाइटी के लोगों के ईलाज तथा शुद्ध पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

जिसके कारण स्थानीय लोग निजी अस्पतालों में इलाज कराने तथा बाहर से पानी मांगने के लिए मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष की कुछ नेता सोसाइटीवासियों के लिए इलाज और व्यवस्था करने के बजाय इस मामले पर लीपापोती करने में लगे हुए हैं।

इस मौके पर उन्होंने शासन प्रशासन से बीमार लोगों के लिए मुफ्त समुचित इलाज की व्यवस्था और सोसाइटी में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने की मांग की। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र यादव, अकबर खां, दीपक नागर, मोहित यादव, अमन नागर, गजेंद्र यादव, अतुल यादव आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन 19 सितबंर को, तैयारी पूरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ के पदाधिकारियों ने एनपीसीएल की तानाशाही के खिलाफ 19 सितम्बर को होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए कुलेसरा,जलपुरा,लखनावली,कई कालोनियों में जाकर बैठके कर लोगों से जनसंपर्क किया और लोगों की समस्याएं सुनी ।

इस मौके पर प्रदेश महासचिव सतीश कनारसी ने कहा कि एनपीसीएल की तानाशाही को बर्दाश्त नही किया जाएगा किसानों,मजदूरों पर फर्जी बिजली चोरी के मुकदमे लिख कर परेशान किया जा रहा है।

समय से बिजली आपूर्ति नही दी जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली फ्री नही दी जा रही है, डूब क्षेत्र में बसी कालोनियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उनको ना तो कनेक्शन दिए जा रहे है। अगर कनेक्शन है तो बिजली आपूर्ति नही दी जा रही है।

एनजीटी का बहाना लगाकर उन्हें बरगलाया जा रहा है। आज डूब क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों से जनसंपर्क किया और 19 सितम्बर को होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए लोगों ने भरपूर समर्थन दिया और कहा की ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर एनपीसीएल की तानाशाही को तोड़कर ही दम लेंगे । इस मौके पर सोरन प्रधान, रमेश कसाना, शेरू प्रधान, सिद्धार्थ पाण्डे, प्रिन्स पंडित, विक्रम नागर, प्रमोद शर्मा, आजाद प्रधान, पप्पे नागर, उमर प्रधान, कृष्ण बैसला, उम्मेद एडवोकेट, अरविन्द सेक्रेटरी, नीरज कसाना, परवेज खान, वनीश प्रधान, रणजीत पहलवान, गोलू, शिवम शर्मा, कैलाश शर्मा आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी का हुआ भूमि पूजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा के द्वारा सेक्टर में रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन का भूमि पूजन मुख्य संरक्षक गोस्वामी सुशील महाराज के दिशा निर्देशन में वैदिक मंत्रो द्वारा किया गया। जिसके मुख्य अतिथि जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह व दादरी विधायक तेजपाल नागर, ज़िला अध्यक्ष भाजपा गजेन्द्र मावी रहे।

संस्था के अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया की रामलीला का मंचन 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक होगा 12 अक्टूबर को दहशरा पूजन होगा।

रामलीला का मंचन बड़ी धूमधाम से राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों के द्वारा किया जाएगा।

इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन गीता पण्डित, पूर्व मंत्री हरीश चन्द्र भाटी, बिजेंद्र भाटी, गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक राजकुमार नागर एडवोकेट, शेर सिंह भाटी पंडित प्रदीप शर्मा, हरवीर महावीर, नरेश गुप्ता, बालकिशन सफीपुर, सुशील नागर, सतीश भाटी, यशपाल भाटी, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर,

मिडिया प्रभारी धीरेन्द्र भाटी, महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, पवन नागर, उमेश गौतम, श्रीमती रोशनी सिंह, चैनपाल प्रधान, सतबीर मुखिया, जितेंद्र भाटी, फिरे प्रधान, पीपी शर्मा, रकम सिंह भाटी, अतुल आनंद, वीरपाल मावी, विमलेश रावल, दिनेश कुमार गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील भाटी, युवा मोर्चा ज़िला अध्यक्ष राजू नागर, भागवत भाटी, रामशरण नागर, राजू भाटी आदि सदस्य उपस्थित थे।

एक लाख से अधिक बन चुके भाजपा सदस्य : मावी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने मंडलों पर भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान चलाया बिसरख मंडल ग्रेटर नोएडा मंडल बिसरख की काउंटीचेरी सोसाइटी के 42 व 43 बूथ पर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा ज़िले अब तक सवा लाख से ऊपर भाजपा के ऑन रिकॉर्ड सदस्य बन चुके हैं और उन्होंने कहा कि 2024 भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर कहा कि 2 सितंबर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा ने सदस्यता कराकर शुरूवात की पहले चरण में जो की 25 सितम्बर तक चलेगा दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा और प्रत्येक बूथ पर भाजपा ने 8800002024 टोल फ्री नम्बर पर मिस्ड कॉल करके प्रत्येक बूथ पर कम से कम 200 नये लोगों को सदस्यता दिलाने का कार्य करेंगे। जिससे भाजपा गौतमबुधनगर में ऐतिहासिक सदस्यता करके सदस्य बनाएगी। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने सदस्यता अभियान चलाते हुए कहा यह भाजपा संगठन महापर्व सदस्यता अभियान है।

हम सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ज़िले के सभी मंडलों में सदस्यता के लक्ष्य को पूरा कर ऐतिहासिक सदस्यता कराएंगे। इस अवसर पर मुख्यरूप जिला महामंत्री योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी पूजा गंगानिया रवि जिन्दल दीपक भारद्वाज सेवानन्द शर्मा मनोज गर्ग मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य ज़िला मंत्री सत्यपाल शर्मा मुकेश चौहान मनीष भाटी आशुतोष श्रीवास्तव आदि दर्जनों मंडल कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में उपस्थित रहे।

किसान सभा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा की जैतपुर ऑफिस पर जिला उपाध्यक्ष बाबा संतराम की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं सदस्य शामिल हुए। बैठक में आंदोलन की अभी तक की उपलब्धियां आगे की चुनौतियों संगठन के विस्तार एवं हाई पावर कमेटी द्वारा दी गई सिफारिशों के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर, अजब सिंह नेताजी, मगन भाटी, सलेक यादव, शिशांत भाटी, गुरप्रीत एडवोकेट, महेश प्रजापति, सतीश यादव, अजब सिंह नागर, जोगेंद्री देवी, रीना देवी, संतोष देवी, रणबीर मास्टर, जितेंद्र मैनेजर, धर्मेंद्र भाटी, पप्पू ठेकेदार, मनवीर भाटी, अशोक भाटी, मोनू मुखिया, करतार नागर, अमित भाटी, डॉक्टर जगदीश, मुकेश खेड़ी, सुशील सुनपुरा, सलेक यादव, दिनेश यादव, बुधपाल यादव, संजय नागर, अमित नागर, रंगीलाल भाटी, सतीश गोस्वामी, आरबी सिंह सूबेदार, सुरेश यादव, ओमवीर नागर, रईसा बेगम, भगत सिंह चेची, सुधीर रावल, निशांत रावल, सुरेंद्र शर्मा, निरंकार प्रधान, सोनू साकीपुर, मुखिया दौसा, जयपाल प्रजापति, भोपाल यादव, ओमपाल शर्मा, देशराज राणा, अजब सिंह भाटी सलारपुर, अतवीर सिंह रावल, भोजराज रावल, धीरज भाटी, अशोक यादव, धुनी राम भाटी, एडवोकेट ह्रदेश शर्मा, फिरे सिंह, नकुल भाटी, एहसान सिंह, चरण सिंह, सुरेंद्र, भभूति, चंद्रपाल एवं सैकड़ो साथी उपस्थित रहे और विचार प्रकट किये।

महापंचायत को लेकर हुई भाकियू (भानू) की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन भानु की 11 तारीख को लखनऊ में होने जा रही महापंचायत को लेकर नोएडा के सिलारपुर गांव मे बैठक का आयोजन किया गया। नोएडा से सैकड़ों किसान महापंचायत में पहुँचेंगे। पंचायत की अध्यक्षता रामकेश गुर्जर ने की और संचालन ओमप्रकाश गुर्जर ने किया।

भाकियू भानु के राष्ट्रीय महासचिव बेगराज गुर्जर व राष्ट्रीय महामंत्री चौधरी बीसी प्रधान ने कहा नोएडा से किसान सैकडो की संख्या में लखनऊ कूच करेंगे किसान क्योंकि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। सरकार अपने वायदे से भाग रही है। नोएडा अध्यक्ष राजवीर मुखिया और मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा न तो किसानों की बात राज्य सरकार सुन रही है और न ही केंद्र सरकार सुनने को तैयार है पूरे हिंदुस्तान के किसान परेशान है इसलिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने 11 तारीख को लखनऊ में महापंचायत रखी है जिसमें आर पार की लड़ाई होगी और गरीब किसान मजदूर की बात सरकार के सामने रखेंगे। इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी, सुभाष भाटी, राजकुमार मोनू आनंद भाटी बलराज बैसोया अनिल बैसोया महेश तवर कमल बैसोया चंद्रपाल हरमिन कश्यप सोनू अवाना सुनील अंबावता गोविंद अंबावता महरदीन इत्यादि उपस्थित रहे।

निःशुल्क जागरूकता कैंप का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। स्ट्रीट खाद्य विक्रेताओं के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा नि:शुल्क जागरूकता कैंप साथ ही फ्री हाइजीन किट और सर्टिफिकेट देने के लिए पंचायत घर सेक्टर-15 नोएडा पर कैंप का आयोजन किया।

कैंप में पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन सीटू के महामंत्री गंगेश्वर दत्त शर्मा, यूनियन की कार्यकर्ता भारती गुप्ता आदि के नेतृत्व में सैकड़ो वेंडर्स को सर्टिफिकेट दिए गए।

किसान एकता संघ की हुई बैठक

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता संघ की बैठक दनकौर कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के नेतृत्व में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता मेहरबान अली व संचालन पंडित प्रमोद शर्मा ने किया। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया 12 अगस्त को दनकौर विद्युत उपकेंद्र से संबंधित समस्याओं को लेकर 11 सूत्रीय ज्ञापन जेई मनजीत जयंत व दनकौर कस्बा चौकी इंचार्ज आशीष कुमार को 1 महीने यानी 11 सितंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए प्रेषित किया था एक महीना बीतने के बाद भी किसी भी समस्या की तरफ बिजली विभाग में ध्यान नहीं दिया समस्याएं जस के तस बनी हुई है बिजली विभाग की तरफ से अभी तक संगठन के पदाधिकारी को कोई जवाब नहीं दिया। जिसको लेकर संगठन द्वारा पूर्व निर्धारित 11 सितंबर को होने वाली पंचायत को सफल बनाने के लिए गांव- गांव जाकर लोगों से जनसंपर्क करने कि तैयारी शुरू कर दी गई है। जिसके लिए संगठन द्वारा अलग-अलग कमेटी गठित कर दी गई है जो गांव-गांव जाकर लोगों को भारी तादाद में दनकौर बिजली घर पर पहुंचने की अपील करेगी।

साइट-4 रामलीला मंचन के लिये भूमि पूजन हुआ सम्पंन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित होने वाले विजय महोत्सव 2024 कार्यक्रम के लिये साइट 4 स्थित रामलीला मैदान में भूमि पूजन संपन्न हुआ। महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि इस वर्ष 2 से 13 अक्टूबर तक विजय महोत्सव 2024 कार्यक्रम साइट 4 स्थित सेंट्रल पार्क में धूमधाम से मनाया जायेगा।

अध्यक्ष स0 मंजीत सिंह ने बताया कि वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन करने के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ठा0 धीरेन्द्र सिंह कर कमलों द्वारा नारियल फोड़कर भूमि पूजन सम्पंन हुआ व विधायक मा0 तेजपाल नागर ने भगवान श्रीराम की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की इसके उपरांत बिजेंद्र भाटी, अजीत दौला, राजकुमार भाटी, पवन खटाना, गजेंद्र मावी बब्बल भाटी व सुरेश पचौरी ने सफल आयोजन के लिये शुभकामनाएँ प्रेषित की।

कार्यक्रम में मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, धर्मपाल भाटी, कमल सिंह आर्य, कुलदीप शर्मा, के के शर्मा, हरेंद्र भाटी, मुकुल गोयल, मुकेश शर्मा, श्यामवीर भाटी, अमित गोयल, विकास प्रधान, अनिल कसाना, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता, मनोज चौधरी, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुरेन्द्र तायल व अन्य गणमान्य लोग

वसील अहमद बने सैफी समाज के राष्ट्रीय सचिव

दादरी (चेतना मंच)। भारतीय सैफी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद इरशाद सैफी प्रधान कल दादरी में एक सैफी समाज की मीटिंग में शामिल हुये।

बैठक में वसील अहमद को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया। डाक्टर सुबराती को राष्ट्रीय महामंत्री मोबीन सैफी को जिलाध्यक्ष और बहोत सारे सैफी समाज को जॉइंग कराई।

इस मौके पर मोहम्मद इरशाद, सैफी राष्ट्रीय अध्यक्ष मुतवाली निजामुद्दीन सैफी, आस मोहम्मद सैफी, युसूफ सैफी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इकबाल अहमद सैफी, प्रदेश अध्यक्ष नासिर अहमद सैफी, साबिर सैफी, महराज सैफी, कामिल सैफी समाज सेवी, साहिद सैफी समाज सेवी, इरशाद सैफी, नसीर अहमद सैफी, वसील अहमद, राष्ट्रीय सचिव डा. शुभरात्री मोमिन सैफी, इमरान सैफी समाज सेवी, जमील सैफी, आसिफ सैफी, असगर सैफी आदि लोग मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सोलर कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी ने 5 साल में 1 लाख रुपये के बनाए 2.9 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने पिछले 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। 5 साल में केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 9600 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 9 रुपये से बढ़कर 870 रुपये के पार पहुंच गए हैं। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने पिछले 5 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। केपीआई ग्रीन एनर्जी ने अपने शेयरहोल्डर्स को दनादन 2 बार बोनस शेयर दिए हैं।

1 लाख रुपये के बना दिए 2.9 करोड़ रुपये: केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर 4 सितंबर 2019 को 8.96 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 6 सितंबर 2024 को 871.85 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 4 सितंबर 2019 को केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 11,160 शेयर मिलते। केपीआई ग्रीन एनर्जी ने जनवरी 2023 में 1:1 के रेशियो में और फरवरी 2024 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। अगर इन बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 33,480 हो जाती है। इन शेयरों की मौजूदा वैल्यू 2.91 करोड़ रुपये है। कंपनी ने जुलाई 2024 को अपने शेयरों का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) भी किया है। हमने अपने कैलकुलेशन में स्टॉक स्प्लिट और कंपनी की तरफ से दिए गए डिविडेंड को शामिल नहीं किया है।

2 साल में 473 प्रतिशत चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर: केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर पिछले 2 साल में 473 पर्सेंट चढ़ गए हैं। सोलर पावर कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2022 को 151.97 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 6 सितंबर 2024 को 871.85 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक साल में केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 210 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयर 7 सितंबर 2023 को 281.07 रुपये पर थे, जो कि 6 सितंबर 2024 को 871.85 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1116 रुपये है। वहीं, केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 255.46 रुपये है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावट, 31 अगस्त से 7 सितंबर तक 1681 रुपये सस्ता हुआ सिल्वर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। इस हफ्ते की बात की जाए, तो पिछले शनिवार यानि 31 अगस्त को सोने की कीमत 71 हजार 958 रुपये थी। अब 7 सितंबर को वह घटकर 71,931 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इस हफ्ते सोना 27 रुपये तक सस्ता हुआ है।

चांदी पिछले शनिवार को 85 हजार 19 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। अब 7 सितंबर को इसकी कीमत 83 हजार 338 रुपये पहुंच गई है। यानि इस हफ्ते इसमे 1 हजार 681 रुपये की गिरावट देखी गई है। आपको बता दें कि 29 मई 2024 को चांदी 94 हजार 280 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर अपने ऑल टाइम हाई पर था।

1 अक्टूबर से बदल जाएंगे पब्लिक प्रोविडेंड फंड के नियम, होने जा रहे हैं 3 बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पब्लिक प्रोविडेंड फंड में तीन बड़े बदलाव होने वाले हैं। यह बदलाव 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय द्वारा इसे लेकर दिशानिर्देश जारी किए गए है। यह योजना 15 साल के मैच्योरिटी अवधि के साथ आती है। लॉन्ग टर्म में निवेशकों को करोड़पति बना सकती है।

वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग के नए नियमों के बारे में गाइडलाइन जारी की है, जिसके तहत पीपीएफ के नए नियमों को लागू किया जाएगा। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि योजना में भी बदलाव होगा। दिशानिर्देश में नाबालिग से लेकर एनआरआई तक तीन अलग-अलग मामले में अकाउंट को नियमितीकरण को बताया गया है। अनियमित खाता पर डाकघर सेविंग अकाउंट ब्याज तब मिलेगा जब तक नाबालिग खाता खोलने के पात्र नहीं हो जाता। यानि व्यक्ति की उम्र 18 साल नहीं हो जाती। उसके बाद पीपीएफ ब्याज दर का भुगतान किया जाएगा। मैच्योरिटी पीरियड की गणना उस तारीख से की जाएगी, जिस दिन नाबालिग व्यस्क हो जाएगा। प्राइमरी खाते पर योजना के अनुसार ब्याज मिलता रहेगा।

792 से टूटकर 2 पर आया यह शेयर, 1 लाख का निवेश घटकर 250 रह गया

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस कम्युनिकेशंस के शेयरों की पिछले 2 सितेबर से ट्रेडिंग बंद है। कंपनी के शेयर का लास्ट बंद प्राइस 2.20 रुपये है। बता दें कि अनिल अंबानी की अगुवाई वाली कंपनियों के शेयरों में पिछले दिनों लगातार गिरावट देखी गई थी। कंपनी का मार्केट कैप 611.18 करोड़ रुपये का है। बता दें कि अभी हाल ही सेबी ने अनिल अंबानी और 24 अन्य को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से फंड के हेर-फेर के आरोप में पांच साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट से प्रतिबंधित किया है। साथ ही सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के शेयर पिछले एक महीने में 12 प्रतिशत तक चढ़ा है। छह महीने में 22 प्रतिशत चढ़ गया है। इस साल अब तक यह शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा है। सालभर में इस शेयर में 30 प्रतिशत की तेजी आई है। पांच साल में इसमें 215 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। हालांकि, लंबी अवधि में इसने तगड़ा नुकसान कराया है।

एसबीआई की इस स्पेशल स्कीम में निवेश का आखिरी मौका, इसमें 400 दिन की एफडी पर मिलता है 7.60 प्रतिशत तक ब्याज

नईदिल्ली, एजेंसी। फिक्स्ड डिपॉजिड में निवेश करके बेहतर रिटर्न पाने की चाहत रखते हैं तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर लैंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने ग्राहकों के लिए पॉपुलर अमृत कलश एफडी स्कीम ऑफर करती है। बता दें कि अमृत कलश एक 400 दिन की एफडी स्कीम है जिसमें ग्राहकों को अधिकतम 7.60 पर्सेंट तक ब्याज मिलता है। बता दें कि बैंक ने पहली बार 12 अप्रैल, 2023 को इस स्कीम को लॉन्च किया था। लेकिन इसकी पापुलैरिटी को देखते हुए किसकी डेडलाइन को कई बार बढ़ाया जा चुका है। हालांकि, अंतिम बार बैंक ने इसे बढ़ाकर 30 सितंबर, 2024 कर दिया था। यानी कि अब ग्राहकों के पास इस स्कीम में निवेश करने का अंतिम मौका है। आइए जानते हैं इस स्कीम के बारे में विस्तार से।

कई बार बढ़ चुकी है स्कीम की डेडलाइन: बता दें कि इस स्कीम के लॉन्च होने के बाद एसबीआई ने कई बार इसकी डेडलाइन को बढ़ाया है। पहली बार एसबीआई ने 23 जून, 2023 को इसकी डेडलाइन को बढ़ाकर 31, दिसंबर 2023 कर दिया था। बाद में बैंक में फिर इसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दिया था। एक बार फिर बैंक ने इस स्पेशल एफडी स्कीम की डेडलाइन को बढ़ाते हुए 30 सितंबर, 2024 तक कर दिया था।

यहां मिलता है 7.60 पर्सेंट तक ब्याज: एसबीआई अमृत कलश 400 दिन की एक एफडी स्कीम है जिसमें निवेश करने पर सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 7.10 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को एडिशनल 50 बेसिस पॉइंट यानी 7.60 पर्सेंट तक ब्याज मिलता है। इस स्कीम के तहत ग्राहक अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की राशि जमा कर सकते हैं।

कुछ इस तरह खुलवा सकते हैं इस स्कीम में खाता: एसबीआई अमृत कलश एफडी स्कीम में इन्वेस्ट करने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी किसी भी शाखा में जा सकते हैं। इसके लिए आपके डॉक्यूमेंट के तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद बैंक से आपको इस स्कीम के लिए एक फॉर्म मिलेगा जिसको भरने के बाद ही आपका खाता खुल जाएगा।

10 सितंबर से खुल रहा यह आईपीओ, प्राइस बैंड 70

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। अगले सप्ताह से एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो सकता है। यह इश्यू ट्रैफिकसोल आईटीएस टेक्नोलॉजीज का है। कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए 10 सितंबर को खुलेगा और 13 सितंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 70 रुपये तय किया गया है। बता दें कि ट्रैफिकसोल आईटीएस एक बुक बिल्ट इश्यू है। कंपनी आईपीओ के जरिए लगभग 44.87 करोड़ जुटाएगी, इसमें 44.87 करोड़ का फ्रेश इश्यू शामिल है।

ग्रे मार्केट में अभी से तेजी: बता दें कि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को तगड़ा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में अभी से ही 80 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। यानी कि यह शेयर 150 रुपये पर संभावित लिस्ट हो सकता है। इसका मतलब है कि निवेशकों को पहले ही दिन 115 प्रतिशत तक का मुनाफा हो सकता है। बता दें कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग डेट 17 सितंबर है। कंपनी के प्रमोटर जितेंद्र नारायण दास और पूनम दास हैं।

क्या है डिटेल: ट्रैफिकसोल नई टेक्नोलॉजी, सॉल्यूशन और टिकाऊ प्रोडक्ट्स के जरिए से यातायात सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ सबसे जटिल यातायात संबंधी चुनौतियों को हल करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है। गंभीर चोटों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपयोगकर्ताओं को समय पर चेतावनी देकर वास्तविक समय के जोखिमों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही बेहतर डिजाइन अनुप्रयोगों, मानकों और दिशानिर्देशों का उपयोग करके दुर्घटना जोखिमों को कम करने के लिए काम कर रहा है। कंपनी ने 2023 में 36.75 करोड़ के मुकाबले 2024 में 66.09 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया। कंपनी ने 2023 में 4.78 करोड़ के मुनाफे के मुकाबले 2024 में 12.09 करोड़ का लाभ दर्ज किया।

इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स कम होगा या नहीं, आज चलेगा पता

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल की कल यानी 9 सितंबर को मीटिंग होगी। इसमें इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। काफी एक्सपर्ट हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी खत्म करने या कम करने की बात कह रहे हैं। सरकार इस पर क्या निर्णय लेगी, यह कल पता चलेगा। अगर इंश्योरेंस पर जीएसटी कम या खत्म होता है तो इससे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उनके लिए इंश्योरेंस लेना सस्ता हो जाएगा। इस बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर स्थिति रिपोर्ट समेत और भी कई मुद्दों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक केंद्र और राज्य टैक्स अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति लाइफ, हेल्थ और पुनर्बीमा प्रीमियम पर लगाए गए जीएसटी और रेवेन्यू से जुड़ी एक रिपोर्ट पेश करेगी।

वित्त मंत्री करेंगी अध्यक्षता: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्य मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद तय करेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस पर टैक्स का बोझ मौजूदा 18 फीसदी से कम किया जाए या सीनियर सिटिजंस जैसी कुछ कैटेगिरी के छूट दी जाए। इस बैठक में लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर भी जीएसटी में कटौती के संबंध में भी विचार-विमर्श होगा।

जीओएम ने बदलाव से किया था मना: पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पिछले महीने टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की बैठक में इस मुद्दे को उठाया था। इसके बाद मामले को आगे के डेटा विश्लेषण के लिए फिटमेंट समिति को भेज दिया गया था। जीओएम ने कहा था कि 5, 12, 18 और 28 फीसदी के चार-स्तरीय जीएसटी स्लैब में किसी भी तरह का बदलाव न किया जाए। हालांकि पैनल ने फिटमेंट समिति से जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की किसी भी गुंजाइश पर विचार करने को कहा था।

ऑनलाइन गेमिंग पर भी होगा फैसला!: ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में केंद्र और राज्य टैक्स अधिकारी जीएसटी परिषद के समक्ष एक स्थिति रिपोर्ट पेश करेंगे। रिपोर्ट लिखा होगा कि 1 अक्टूबर 2023 से पहले और बाद में ऑनलाइन गेमिंग फील्ड से जीएसटी रेवेन्यू मिला। बता दें कि 1 अक्टूबर 2023 से ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म और कैसीनो 28 फीसदी जीएसटी लगाया गया था। इससे पहले कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां 28 फीसदी जीएसटी का भुगतान नहीं कर रही थीं। कंपनियों का तर्क था कि स्किल के खेल और चांस के खेल के लिए अलग-अलग टैक्स दरें हैं। अगस्त 2023 में अपनी बैठक में जीएसटी परिषद ने स्पष्ट किया था कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को 28 फीसदी जीएसटी पेमेंट करना जरूरी है।

आपकी बेसिक सैलरी का 18.5 प्रतिशत देगी केंद्र सरकार, हो जाएगा बुढ़ापे का इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए पेंशन को लेकर एक अहम ऐलान किया। इसके तहत न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के विकल्प के रूप में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लॉन्च किया गया। इस नई पेंशन स्कीम में कई ऐसे फीचर्स हैं, जिससे कर्मचारियों को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। ऐसा ही एक फीचर सरकार की ओर से कंट्रीब्यूशन का है।

सरकार का कंट्रीब्यूशन: एकीकृत पेंशन योजना के तहत पेंशन के लिए कर्मचारी का कंट्रीब्यूशन, बेसिक सैलरी का 10 फीसदी और डीए होगा। वहीं, सरकार 18.5 फीसदी का योगदान करेगी। एनपीएस में सरकार अपनी ओर से 14 प्रतिशत कंट्रीब्यूशन करती है, इसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इस नई पेंशन स्कीम में फैमिली पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं। बता दें कि कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस से चुनने का विकल्प केवल एक बार के लिए होगा।

कितने कर्मचारियों को फायदा: बता दें कि नई स्कीम में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वाले सरकारी कर्मचारी इसके दायरे में हैं। इस योजना से 30 लाख केन्द्रीय कर्मचारियों को फायदा होने की उम्मीद है और राज्य सरकारें यूपीएस को लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा हो सकेगा।

10 साल की नौकरी पर कितना पेंशन: न्यूनतम 10 साल तक की सेवा अवधि के लिए आनुपातिक रूप से पेंशन दी जाएगी। न्यू पेंशन स्कीम न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10,000 रुपये प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी भी देती है। कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त रकम के पात्र होंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

'पुलिस में सीधे...

यह हम सभी के लिए सर्वोच्च मायने रखती है। भारत नेपाल सीमा हो या भारत भूटान सीमा, वहां पर इन देशों के साथ भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों पर कोई आंच आए बगैर एसएसबी इन सीमाओं की सुरक्षा के लिए बेहतरीन प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच सौ किमी. की सीमा नेपाल से जुड़ी हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस एसएसबी के साथ ज्वाइंट पेट्रोलिंग में भाग लेती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उत्तरदायित्व मिलकर हम एक साथ निभाएंगे तो सीमाओं के क्षेत्र में आमजन का विश्वास भी अर्जित करेंगे। सुरक्षा के साथ कहीं पर कोई खरोच भी नहीं आने देंगे, इस विश्वास के साथ बेहतरीन तालमेल के माध्यम से यह कार्यक्रम आगे बढ़ते हैं तो अनेक रचनात्मक गतिविधियों को भी वहां पर उस क्षेत्रवासियों के लिए एसएसबी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, सशस्त्र सीमा बल के डीजी दलजीत सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

ट्रेन हादसे की....

वहीं, मौके से ही बारूद जैसे दिखने वाले पदार्थ के तीन पैकेट भी मिले हैं। साथ ही मौके की घास दबी हुई थी और मोमबत्ती व माचिस भी मिली है इसलिए आशंका है कि साजिशकर्ता ट्रेन पलटने का इंतजार कर रहा था। हालांकि साजिशकर्ता एक थे या कई, इसपर स्थिति साफ नहीं है।

अधिकारी इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि अगर ट्रेन पलट जाती तो साजिशकर्ता घटना को बड़ा बनाने के लिए इन पदार्थों का दुरुपयोग कर सकता था। इसके अलावा मोमबत्ती और माचिस भी मिली है।

यही वजह है कि फॉरेंसिक की एक टीम को मौके पर बुलाया गया है ताकि पदार्थों के बारे में जानकारी मिल सके। फिलहाल आरपीएफ व स्थानीय पुलिस के अलावा एलआईयू, आईबी और एटीएस की भी टीमें मौके के लिए रवाना हो गई हैं।

साथ ही एनआईए के अधिकारियों को भी घटना से जुड़ी जानकारी साझा की जा रही है। डीसीपी पश्चिम का कहना है कि हर पहलू पर जांच की जा रही है। जब तक जांच पूरी न हो जाए, किसी भी बात को खारिज या स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अब डायाफ्राम तकनीक....

ये अंडरपास सेक्टर-96, 142 और 152 में बनाए गए हैं। इनके बनने से एक्सप्रेसवे के दोनों ओर गांव, सेक्टर में जाने की बेहतर कनेक्टिविटी हुई है।

एसटीएफ पर...

कि इनमें कुछ फोन टैपिंग उच्चस्तरीय राजनीतिक आदेश पर और कुछ बड़े बिजनेसमैन, उद्योगपति आदि के किया जाना बताया गया है। इस कारण कुछ चुनिंदा अफसर कई कई साल से अपने पद पर बने बताए गए हैं, जबकि सामान्य रूप से 3 साल बाद अफसरों के ट्रांसफर हुआ करते हैं। अत: उन्होंने इस पूरे मामले की सत्यता सामने लाने के लिए एक निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच आयोग का गठन कर पारदर्शी जांच कराए जाने की मांग की है।

बच्ची से बैड टच मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

स्कूल की प्रिंसिपल, टीचर, ठेकेदार और सुपरवाइज पहले जा चुके जेल

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-24 पुलिस ने एक निजी स्कूल में केजी में पढ़ने वाली छह साल की बच्ची से बैड टच मामले में मुख्य आरोपी कालू ठाकुर उर्फ आमिर को गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई टीम लगाई थी। आरोपी को शिमला पार्क से गिरफ्तार किया है। इससे पहले मुख्य आरोपी को भगाने और आरोपों को छिपाने के आरोप में स्कूल की प्रिंसिपल, टीचर, सुपरवाइजर और निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार को गिरफ्तार किया गया था। सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक घटना मंगलवार सुबह की है। परिजन के मुताबिक उनकी बेटी स्कूल परिसर में खेल रही थी। इसी दौरान स्कूल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य में लगे एक मजदूर ने बच्ची को बैड टच किया। बच्ची ने इसका विरोध किया। वहां से भागते हुए बच्ची ने इसकी जानकारी स्कूल में मौजूद शिक्षकों को दी। सूचना प्रिंसिपल और प्रबंधन तक पहुंची। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने मामले को दबाने का प्रयास किया। उन्होंने आरोपी को बुलाकर धमकाया और कुछ देर बाद स्कूल से भगा दिया।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि घटना की जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि बच्ची के साथ स्कूल में काम करने वाले एक मजदूर द्वारा घटना की गई। घटना के बाद बच्ची ने इसकी जानकारी अपनी क्लास टीचर सरिता सुनेजा को दी। प्रिंसिपल प्रीति शुक्ला को भी बताया। यह भी पता चला कि स्कूल के सुपरवाइजर बसंत पांडेय के साथ मिलकर प्रिंसिपल और क्लास टीचर के द्वारा किसी को सूचना न देते हुए घटना को छिपाया गया। साथ ही, आरोपी को स्कूल से जाने दिया।

ठेकेदार मुकेश कुमार ने भी आरोपी को भगाने और उसका साथ देने में भूमिका निभाई। पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम को छिपाने के आरोप में क्लास टीचर सरिता सुनेजा, प्रिंसिपल प्रीति शुक्ला, सुपरवाइजर बसंत पांडेय और ठेकेदार मुकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामेल में मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुखबीर से जानकारी मिलते ही शिमला पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया।

भारतीय योग संस्थान ने योग उत्सव मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। 'ज़िला योग उत्सव' श्रृंखला की पहली कड़ी के रूप में जिला-1 के तत्वाधान में वेटलैंड पार्क सेक्टर-54 नोएडा में योग उत्सव मनाया गया। जिसमें लगभग 400 योग साधक, साधिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आसन, प्राणायाम, ध्यान किया गया। इस मौके पर पर 2 अक्टूबर 2024 को संस्थान के विशेष कार्यक्रम के लिए छत्रसाल स्टेडियम चलने हेतु प्रेरणा दी गई।

इस विशेष अवसर पर संस्थान के रजत विहार, सी ब्लॉक, सेक्टर-62 के योग साधना केंद्र को विधि पूर्वक सम्मानित करते हुए सुरेश विज ने केंद्र प्रमुख गिन्नी झा और संरक्षक सुषमा नागपाल, राजीव शर्मा, सुब्रत मोहाकुद, ओ पी अग्रवाल, नेहा कुमार, लता तोमर, नीलम सिंह, बीजू थॉमस, सुसान थॉमस, नीलमणि अग्रवाल, अवनीश वाजपेई को संस्थान का बैनर प्रदान किया गया, शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भारतीय योग संस्थान के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष सुरेश विज , प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री जवाहरलाल यादव, नोएडा जिला 1 के प्रधान हीरा सिंह बिष्ट तथा महामंत्री चंद्र मोहन नागपाल ने सभा को संबोधित किया। नित्य योग करने को प्रेरित करते हुए योग को घर घर पहुंचाने का आह्वान किया।

खास खबर

विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2024 में फीडे नें की बदलावों की घोषणा

न्यू यॉर्क, यूएसए (एजेंसी)। शतरंज की दुनिया में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। विश्व शतरंज संघ ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2024 के लिए नए फॉर्मेट की घोषणा की है, जिसमें स्विस सिस्टम और नॉकआउट चरण का मिश्रण शामिल होगा। इस नए फॉर्मेट से न केवल चैंपियनशिप का रोमांच बढ़ेगा, बल्कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता और और उनकी लय की यह कड़ी परीक्षा होगी ।इस बार, पुरुषों वर्ग में 13 राउंड और महिलाओं के वर्ग में 11 राउंड का स्विस लीग होगा। इसके बाद शीर्ष 8 खिलाड़ी नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेंगे। नॉकआउट चरण में हर मैच चार खेलों का होगा, जिससे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा और दर्शकों के लिए भी रोमांचक क्षण बनेंगे ।फीडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की ने कहा, इस साल फिडे ने फॉर्मेट में बदलाव किया है, जिससे चैंपियनशिप को और अधिक रोमांचक बनाया जा सके। नॉकआउट फॉर्मेट में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच सीधे मुकाबले होंगे, जिससे चैंपियन का फैसला किया जाएगा। यह फॉर्मेट टीवी प्रसारण के लिए भी बहुत उपयुक्त होगा।

मोइन अली ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया

- 2019 और 2022 की वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा रहे हैं; 2014 में डेब्यू किया था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लिश ऑलराउंडर मोइन अली ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है। 37 साल के ऑलराउंडर ने यह फैसला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने जा रही वाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लिश टीम में मौका नहीं मिलने के बाद लिया है। 2019 में वनडे और 2022 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले 37 साल के मोईन ने डेली मेल को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं 37 साल का हूं और इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए मुझे नहीं चुना गया। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेला है। अब अगली पीढ़ी के लिए समय आ गया है, जिसके बारे में मुझे बताया गया। मुझे लगा कि यह सही समय है। मैंने अपना काम कर दिया है। मोइन ने आखिरी इंटरनेशनल मैच टी-20 वर्ल्ड कप-2024 में खेला था। गयाना में भारत के खिलाफ खेले गए इस सेमीफाइनल मुकाबले को इंग्लिश टीम को पराजय झेलनी पड़ी थी।2022 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद परिवार के साथ मोइन अली।

एक साल पहले रिटायरमेंट से वापसी की थी, एशेज टीम में शामिल - मोइन अली ने 2021 में भी रिटायरमेंट का ऐलान किया था। उसके 2 साल बाद 2023 में टेस्ट क्रिकेट के रिटायरमेंट से वापसी की थी। तब वे जैक लीच की जगह एशेज सीरीज के लिए चुनी गई इंग्लिश टीम में शामिल किए गए थे। मोइन ने टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम और इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबर्ट कीसे से बातचीत के बाद यह फैसला लिया था। इंग्लिश बोर्ड ने इस पोस्ट के जरिए मोइन के रिटायरमेंस से वापसी के फैसले की जानकारी दी थी।

366 विकेट लिए और 6678 रन भी बनाए - मोइन अली ने 2014 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने बतौर ऑलराउंडर 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। उन्होंने ऑल फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए 8 शतक और 28 अर्द्धशतक सहित 6678 रन और 366 विकेट लिए हैं।

बेलारूसी स्टार एरिना सबालेंका ने जीता यूएस ओपन

- अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया
- सिनर-फिट्ज के बीच मेंस सिंगल्स का फाइनल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बेलारूसी स्टार एरिना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला। 26 साल की सबालेंका पहली बार साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम की सिंगल्स कैटेगरी में चैंपियन बनी हैं। सबालेंका का यह ओवरऑल 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। वे इसी साल ऑस्ट्रेलिया ओपन 2024, 2023 में भी चैंपियन बनी थीं। वहीं, डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक जीता

पेरिस (एजेंसी)। दृढ़ संकल्प के साथ सभी बाधाओं का सामना करते हुए भारत की सिमरन ने शनिवार को यहां पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन सिमरन 24.75 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पोडियम पर तीसरे स्थान पर रही। पैरालंपिक में टी12 वर्गीकरण दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए है। 24 वर्षीय सिमरन का जन्म समय से पहले हुआ था। उसने 10 सप्ताह इनक्यूबेटर में बिताए जहां पता चला कि वह दृष्टिबाधित है। इस साल जापान के कोबे में विश्व चैंपियन बनने वाली भारतीय को अपने पूरे जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें उनके पिता की पुरानी बीमारी और अंततः निधन भी शामिल था।

इंडिया बी ने इंडिया ए को 76 रन से हराया

पेसर यश दयाल को 3 विकेट; इंडिया ए की टीम 198 रन पर ऑलआउट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी के चौथे दिन इंडिया बी ने इंडिया ए को 76 रन से हरा दिया। टीम की तरफ यश दयाल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए, जबकि मुकेश कुमार और नवदीप सैनी को 2-2 विकेट मिले। इंडिया ए को जीत के लिए 275 रन का टारगेट मिला था। शुरूआती झटकों के बाद के एल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी की और हाफ सेंचुरी लगाई। उनके अलावा आकाशदीप ने 42 बॉल पर 43 रन बनाए। आखिरी सेशन में टीम को मैच जीतने के लिए 143 रन की जरुरत थी, लेकिन टीम 198 रन पर ऑलआउट हो गई। आखिरी दिन रविवार को इंडिया बी की दूसरी पारी 184 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले, इंडिया बी ने दिन की शुरुआत 150/6 के स्कोर से की। ऋषभ पंत ने 61 रन की पारी खेली। इंडिया-ए के लिए आकाश दीप ने 5 विकेट झटके, जबकि खलील अहमद को 3 विकेट मिले।

के एल राहुल ने पारी को संभाला

275 रन का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत खराब रही। टीम ने अपना पहला विकेट 7 रन पर गंवा दिया। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल (21) और रियान पराग (31) ने तेजी से खेलते हुए टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। शुभमन और रियान के आउट होने के बाद इंडिया ए के पारी लड़खड़ा गई। टीम ने 2 ओवर में 2 विकेट गंवा दिया। मिडिल ऑर्डर बैट्समैन ध्रुव जुरेल और तनुष कोटियां शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौट गए, लेकिन के एल राहुल एक छोर से टिके रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए हाफ सेंचुरी बनाई। राहुल को 57 रन पर मुकेश कुमार ने पंत के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए आकाशदीप ने शानदार बल्लेबाजी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 42 बॉल पर 43 रन की पारे खेली। पारी में उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्हें शॉट लेग पर खड़े मुशीर खान ने रन आउट किया।

इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हराया

एक अन्य मुकाबले में शनिवार को इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हराया। 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-सी की टीम ने आर्यन जुयाल के 47 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड के 46 रन के चलते जीत दर्ज की। इंडिया-डी की तरफ से सारांश जैन ने 4 विकेट लिए।

ऋषभ पंत ने हाफ सेंचुरी लगाई

पहली पारी में इंडिया-बी ने इंडिया-ए को 231 रन पर ऑलआउट कर दिया था। जिसके आधार पर उन्हें 90 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया-बी की शुरुआत खराब रही।

टीम के दोनों ओपनर्स 14 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। जबकि पहली पारी के शतकवीर मुशीर खान बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सरफराज खान और ऋषभ पंत ने इंडिया-बी की पारी को संभाला। सरफराज ने 46 और ऋषभ ने 61 रन बनाए। पंत ने अपनी पारी में 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

सरफराज ने आकाश दीप को एक ओवर में 5 चौके लगाए

इंडिया-बी की दूसरी पारी के 10वें ओवर में सरफराज खान ने तेज गेंदबाज आकाश दीप को 5 गेंद पर 5 चौके लगाए। सरफराज ने पहली गेंद डॉट करने के बाद दूसरी गेंद पर कट शॉट, तीसरी गेंद पर कवर ड्राइव, चौथी गेंद पर फ्लिक, पांचवीं गेंद पर स्ट्रैट ड्राइव और आखिरी गेंद पर कट शॉर्ट के साथ 5 बाउंड्री लगाई।

आर्यन जुयाल और ऋतुराज गायकवाड ने मैच जिताया

इंडिया-सी के कप्तान गायकवाड और साई सुदर्शन ने शानदार शुरुआत दी। ऋतुराज ने 46 वहीं साई सुदर्शन ने 22 रन की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए आर्यन जुयाल ने रजत पाटीदार के साथ मिलकर शानदार खेल दिखाया। आर्यन ने टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 47 और रजत पाटीदार ने 44 रन की पारी खेली। इन दोनों के आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल (35) ने मानव सुथार (19) के साथ मिलकर इंडिया-सी को मैच जीता दिया। इंडिया-डी की तरफ से स्पिनर सारांश जैन ने 4 विकेट लिए।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ का कोचिंग में डैब्यू, इंग्लैंड लायन्स के मुख्य कोच बने

लंदन (एजेंसी)। पूर्व दिग्गज हरफनमौला एंड्रयू 'फ्रेडी' फ्लिंटॉफ को शनिवार को इंग्लैंड लायन्स (इंग्लैंड की ए टीम) का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान अपने खेल करियर को समाप्त करने के बाद से टेलीविजन चैनलों से जुड़े रहे है, लेकिन अब वह कोचिंग के क्षेत्र में नई शुरुआत करेंगे।

फ्लिंटॉफ ने नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कहा कि मैं इंग्लैंड लायन्स के साथ यह भूमिका निभाने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं। यह देश की कुछ बेहतरीन उभरती प्रतिभाओं के साथ काम करने और पुरुषों टीम के भविष्य को आकार देने में मदद करने का एक शानदार अवसर है। फ्लिंटॉफ को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरों के साथ-साथ भारत ए और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले सत्र में होने वाले मुकाबलों की जिम्मेदारी दी गई है।

पिछले साल क्रिकेट में वापसी के बाद से 46 साल के फ्लिंटॉफ टी20 विश्व कप में सहायक कोच रहे हैं। उन्होंने 'द हंड्रेड' में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का मार्गदर्शन किया। वह श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक की जगह ले रहे हैं। इंग्लैंड के सबसे महान हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट खेले है। वह 2005 में एशेज श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि फ्लिंटॉफ ''बेहतरीन क्षमता वाले आवेदकों के समूह में से उत्कृष्ट उम्मीदवार थे।

ईसीबी पुरुष प्रदर्शन निदेशक एड बर्नी ने कहा कि एंड्रयू (फ्लिंटॉफ) अपने प्रेरणादायक नेतृत्व, कोचिंग विशेषज्ञता और खेल की गहरी समझ के कारण सभी उम्मीदवारों में सर्वश्रेष्ठ थे। फ्लिंटॉफ अक्टूबर में अपनी इस भूमिका को शुरू करेंगे और आगामी वर्ष तक कार्यभार संभालेंगे। ईसीबी का लायन्स कार्यक्रम युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को विकसित करने में मदद करता है।

पेरिस पैराओलंपिक

ईरान का जैवलिन थ्रोअर अयोग्य घोषित, गोल्ड में बदला नवदीप सिंह का सिल्वर मेडल

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस पैरालंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में नाटकीय प्रदर्शन के बीच ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया गया। यह पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली। सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया। सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था। इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड

धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है।

नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

कौन है नवदीप सिंह - जापान के काबे में 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर नवदीप ने पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया। नवदीप हरियाणा के बुआना लाखू गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता दलबीर सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती में भाग लिया था। युवा नवदीप पहलवान बनने की राह पर था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 2017 में पैरा-थ्रोअर संदीप चौधरी को देखकर उन्होंने यह गेम अपनाई। 4 फीट 4 इंच लंबे सिह के लिए यह गेम मुश्किल थी क्योंकि भाले का आकार ही 7.21 फीट होता था। चौधरी ने नवदीप को ट्रेन किया। अंततः दुबई में नवदीप ने 2017 एशियाई युवा पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने इसी साल अपने पिता को खो दिया था। लेकिन उन्होंने पर्याप्त मानसिक ताकत दिखाकर पेरिस में मेडल जीत लिया।

भारत की मेडल टेली - भारत ने पेरालिपिंक में अब 6 गोल्ड, 10 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज के साथ कुल 29 मेडल जीत लिए हैं। इसमें सबसे ज्यादा मेडल पेरा एथलेटिक्स में ही आए हैं। इस कैटेगरी में तीन गोल्ड, 7 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज समेत 17 मेडल आए हैं। पैरा आर्चरी में एक गोल्ड समेत 2 मेडल, पैरा बैडमिंटन में 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज समेत 5 मेडल, पैरा जूडो में एक तो शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स में 4 मेडल जीते। भारत इसी के साथ मेडल टेली में 18वें स्थान पर आ गया है।

ऑस्ट्रेलिया-स्कॉटलैंड

कैमरून ग्रीन के कहर में दब गई स्कॉटलैंड टीम, सीरीज में हो गए क्लीन स्विप

एडिनबर्ग (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने स्कॉटलैंड को तीन टी20 मैचों की सीरीज में क्लीन स्विप कर दिया है। एडिनबर्ग के मैदान पर खेले गए तीसरे टी20 में भी ऑस्ट्रेलिया ने कैमरून ग्रीन के ताबड़तोड़ अर्धशतक की मदद से 6 विकेट से जीत हासिल की। स्कॉटलैंड ने पहले खेलते हुए मुन्से ने 25 तो ब्रैंडन मैकमुलेन ने 39 गेंदों पर 56 रन बनाए और स्कोर 9 विकेट पर 149 तक पहुंचा। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की खराब शुरूआत रही लेकिन मार्श ने 31 और कैमरून ग्रीन ने 62 रन बनाए और 17वें ओवर में टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टी20 7 विकेअ तो दूसरा टी20 70 रन से जीता था।

स्कॉटलैंड - 149-9 (20 ओवर) - मुन्से और हैरिस ने ओपनिंग की। हैरिस 12 तो मुन्से 25 रन बनाकर आऊट हो गए। एक बार फिर से ब्रैंडन मैकमुलेन ने एक छोर संभाला और 39 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। कप्तान बैरिंगटन 8 तो मैथ्यू क्रॉस 7 ही न बना पाए। मध्यक्रम में माइकल ने 13 और मार्क वॉट ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए और टीम को 149 तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाज एरोन हार्डी ने 18 रन देकर 2, एबॉट ने 28 रन देकर 2 तो कैमरून ग्रीन ने 35 रन देकर 3 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया - 153-4 (16.1 ओवर)- ऑस्ट्रेलिया के ओपनर जेक फ्रेजर 0 पर आऊट हो गए। ट्रेविस हेड 12 ही रन बना पाए। तभी कप्तान मिशेल मार्श ने 23 गेंदों पर तीन चौके और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए। कैमरून ग्रीन ने एक छोर संभाला और तेजतर्रार शॉट लगाए। उन्हें टिम डेविड (14 गेंदों पर 25 रन) का साथ मिला। ग्रीन ने 39 गेंदों पर 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। एरोन हार्डी ने 11 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया -जेक फ्रेजर-मैकगर्क, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श (कप्तान), जोश इंगलिस (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, कूपर कोनोली, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा

स्कॉटलैंड - जॉर्ज मुन्से, ओली हेयर्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (सी), मैथ्यू क्रॉस (डब्ल्यू), माइकल लीस्क, मार्क वॉट, जैक जार्विस, क्रिस्टोफर सोल, सफयान शरीफ, ब्रैडली करी

जो रूट का प्रदर्शन देख गद्गद हुए केन विलियमसन, बोले- मैं उनका फैन हूं

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने इंग्लैंड के जो रूट की जमकर तारीफ की है जोकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ पहले 2 मैचों में 3 शतक लगाए हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक को पछाड़कर श्री लायंस के लिए टेस्ट प्रारूप में सर्वाधिक शतक (34) का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। रूट अब कुक के टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ने से सिर्फ 82 रन दूर हैं। कीवी स्टार ने क्रीज पर शानदार प्रदर्शन के लिए रूट की प्रशंसा की। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अंग्रेज

और 'फैब फोर' के अन्य दो सदस्यों, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के प्रशंसक हैं। विलियमसन ने कहा कि रूट लंबे समय से कुछ और ही रहे हैं। वह कुछ वर्षों में काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। यह अविश्वसनीय है। विलियमसन बोले- मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ी (विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ) भी अद्भुत हैं। बता दें कि भारतीय सरजमीं पर न्यूजीलैंड का टेस्ट रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। टीम ने यहां 36 मुकाबले खेले हैं जिसमें 2 में ही उन्हें जीत हासिल हो पाई है। इससे कैसे पार पाएंगे, सवाल पर केन विलियमसन ने कहा कि हमें (एशिया में) कई तरह से चुनौती मिलने वाली है।

एडवेंचर स्पोर्ट्स

रोमांच से भरपूर रोजगार की गारंटी देता एक करियर

क्या आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की चाहत में कुछ भी छोड़ सकते हैं? क्या आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हैं? अगर इन सवालों का जवाब आपकी ओर से 'हां' है, तो आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की दुनिया में अपने लिए बेहतर करियर तलाश सकते हैं। घरेलू पर्यटन में वृद्धि होने की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स के पेशेवरों की मांग में भी कई गुना का इजाफा हुआ है। इसके अलावा नेशनल जियोग्राफिक, डिस्कवरी, एएक्सएन और एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल सामान्य यात्राओं की बजाए रोमांच से भरपूर यात्राओं पर जाने वाले पर्यटकों को विशेष लाभ भी मुहैया कराते हैं।

क्या है एडवेंचर स्पोर्ट्स

इसे एक्शन स्पोर्ट्स, ऐग्रो स्पोर्ट्स और एक्सट्रीम स्पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसके दायरे में वह गतिविधियां (खेल संबंधी) शामिल होती हैं, जिनमें बड़े खतरे अंतर्निहित होते हैं। इन गतिविधियों में गति, उच्च स्तर के शारीरिक दमखम और विशेष कौशल की दरकार होती है।

कई तरह के एडवेंचर स्पोर्ट्स

इन खेलों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है- एअर स्पोर्ट्स, लैंड स्पोर्ट्स और वॉटर स्पोर्ट्स। खेलों की इन श्रेणियों में ढेर सारे खेल शामिल हैं, इनमें से कुछ प्रमुख हैं-

एअर स्पोर्ट्स - बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, स्काई डाइविंग और स्काई सर्फिंग आदि।

लैंड स्पोर्ट्स - रॉक क्लाइम्बिंग, स्केट बोर्डिंग, माउंटेन बाइकिंग, स्कीइंग, स्नो बोर्डिंग और ट्रैकिंग आदि।

वाटर स्पोर्ट्स - स्कूबा डाइविंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, कायकिंग, केनोइंग, क्लिफ डाइविंग, स्नॉर्केलिंग और याट रेसिंग आदि।

एडवेंचर स्पोर्ट्स पेशेवरों का काम

ये पेशेवर भौगोलिक दृष्टि से उन क्षेत्रों की तलाश करते हैं, जहां एडवेंचर स्पोर्ट्स की संभावना हो। इसके साथ ही वह उस क्षेत्र में खेल से जुड़े जोखिमों का आकलन भी करते हैं। इन कार्यों को करने के बाद वह खेल गतिविधियों को संचालित करने का प्रारूप तैयार करते हैं और संभावित खतरों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना भी बनाते हैं। वह किसी एडवेंचर स्पोर्ट्स में शामिल गतिविधियों के लिए आवागमन का मार्ग तय करते हैं और अन्य जरूरी तैयारियों में मदद करते हैं। इसी तरह इन खेलों के लिए आयोजित होने वाले शिविरों में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को वह खेल की सही तकनीकों और जरूरी कौशल की जानकारी देते हैं। एडवेंचर स्पोर्ट्स की हर गतिविधि से सीधे जुड़े होते हुए भी उन्हें प्रशिक्षण और कैंपिंग शिविरों से संबंधित प्रशासकीय कार्य भी करने पड़ते हैं। यह पेशा देखने में भले ही बेहद रोमांचक हो, लेकिन असल जिंदगी में यह काफी चुनौतीपूर्ण है। इसके पेशेवरों को हमेशा जोखिम उठाते हुए जिंदगी की महीन डोर के सहारे चलना पड़ता है। उन्हें कई बार घबराए हुए और कई बार उत्साही क्लाइंटों को संभालने की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है।

रोजगार के मौके

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में सबसे ज्यादा रोजगार एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनियां देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों के पास काम में बदलाव करके भी रोजगार और अपनी पेशेवर रुचि को बरकरार रखने का विकल्प होता है। वह स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों के लिए आउटडोर एजुकेशन प्रोग्राम संचालित कर सकते हैं, तो पर्सनल ट्रेनर और कैजुअल टूर गाइड के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी भी शुरू कर सकते हैं। कुछ लोग तो इस क्षेत्र में काम करने के लिए दुनिया की सैर करने का विकल्प भी चुनते हैं।

प्रमुख रोजगार प्रदाता

- एक्सकर्शन एजेंसियां 'हॉलिडे रिजॉर्ट्स
- लीजर कैम्प्स 'कमर्शियल रीक्रिएशन सेंटर्स
- एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर्स 'ट्रैवल एंड टूरिज्म एजेंसियां 'एजुकेशनल इंस्टीटयूट
- कोचिंग इंस्टीटयूट

इन भूमिकाओं में मिलेगा काम

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर 'एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट 'आउटबाउंड ट्रेनिंग फेसिलिटेटर एंड ट्रेनर 'एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर 'एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर 'एडवेंचर कैंप काउंसलर 'एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट 'वाटर एंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट 'ट्रैकिंग एंड माउंटेन गाइड 'एडवेंचर टूर गाइड 'कैंप नर्स 'सफारी गाइड 'वाइल्डलाइफ एंड ट्रैवल फोटोग्राफर - समर कैंप काउंसलर

संबंधित संस्थान

- हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीटयूट, दार्जिलिंग
- नेहरू इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तरकाशी
- जवाहर इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग जम्मू और कश्मीर
- विंटर स्पोर्ट्स स्कीइंग सेंटर, कुल्लू
- रीजनल माउंटेनियरिंग सेंटर, मैक्लोडगंज
- हिमालयन एडवेंचर इंस्टीटयूट, मसूरी

जरूरी गुण

- रोमांच से लगाव हो
- शारीरिक मजबूती और मानसिक दृढम्ता हो
- जोखिम उठाने की क्षमता हो
- टीम संग मिलकर काम करने की कुशलता हो
- काम के प्रति निष्ठा और जिम्मेदार रवैया हो
- फर्स्ट एड की मूलभूत जानकारी के अलावा कम्पास और नक्शों को पढम्ने का ज्ञान हो
- अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े लोगों से समन्वय करने में दक्षता हो
- साहस और निडरता हो
- अपने खेल के तकनीकी पक्षों की गहरी जानकारी हो

योग्यता

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बतौर पेशेवर काम करने के लिए किसी विषय के साथ बारहवीं या बैचलर डिग्री प्राप्त होना पर्याप्त है। इस योग्यता के आधार पर एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिप्लोमा या डिग्री पाठय्क्रम संचालित करने वाले संस्थानों में प्रवेश लिया जा सकता है। इन संस्थानों में प्रशिक्षण पाठय्क्रम पूरा करने के बाद आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

- इसके अलावा शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ होना भी आवश्यक होता है।
- इस पेशे में जल आधारित खेलों के लिए तैराकी में निपुण होना जरूरी होता है।
- अंग्रेजी और किसी एक विदेशी भाषा में दक्ष होना भी इस पेशे में मददगार होता है।

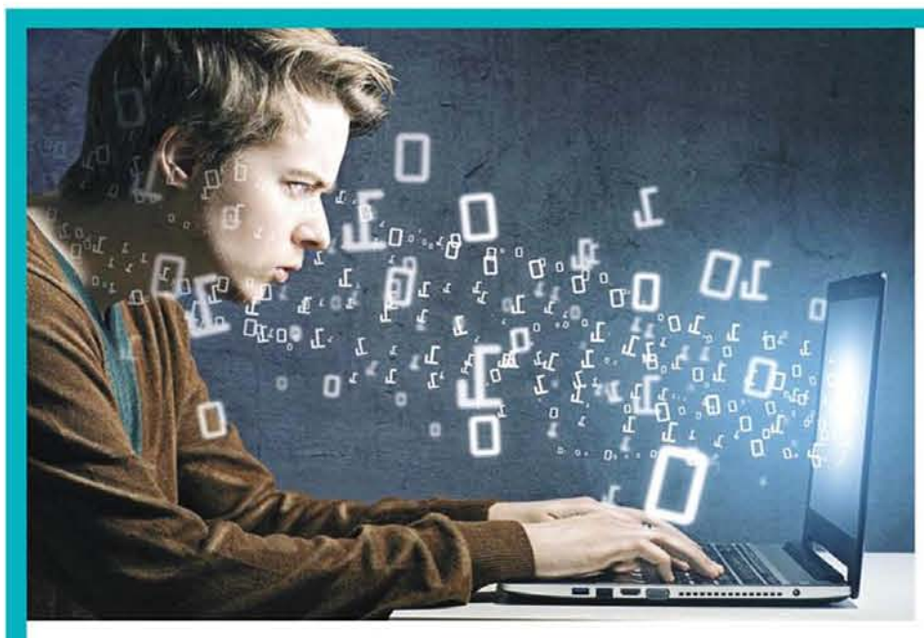

अपने आइडिया को अपनी आंखों के सामने कारगर होते हुए देखना प्रोग्रामिंग की दुनिया की सबसे खास बात है। जेपी मॉर्गन में बतौर एनालिस्ट काम कर रहीं नेहा चौधरी का ऐसा ही मानना है। प्रोग्रामिंग की दुनिया में कदम रखना है तो इससे अच्छा कोई समय नहीं हो सकता।

बढ़ेंगे अवसर

ईवान्स डाटा प्रोजेक्ट की रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 में भारतीय डेवलपर्स की संख्या में लगभग 90 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। इनकी संख्या 52 लाख पहुंच जाएगी। अभी यह संख्या 36 लाख है।

तय करें कोडर बनना है या प्रोग्रामर

नैसकॉम की एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर सॉफ्टवेयर पेशेवर सिर्फ कोडर हैं, प्रोग्रामर नहीं। प्रोग्रामर्स अपनी रचनात्मक बुद्धि से विशाल सॉफ्टवेयर प्रोग्राम्स को डिजाइन और डेवलप करते हैं, वहीं कोडर्स केवल निर्देशों का पालन करते हुए एक बड़े प्रोग्राम के छोटे कोम्पोनेंट्स को टेस्ट करना, लिखना और उनके मूल्यांकन का काम करते हैं।

ऐसे होगी शुरुआत

बीटेक के बाद आईटी सेक्टर में प्रवेश के लिए फ्रेशर के पास कुछ ही विकल्प होते हैं, जैसे टैस्टिंग, बिजनेस एनालिस्ट, डेवलपमेंट, डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन आदि। कभी अपनी पसंद के क्षेत्र में काम करने का मौका मिलता है और कई दफा बड़ी मल्टी नेशनल कंपनियां जैसे एसेंचर, कॉलेज से ही फ्रेशर्स को चुनकर ले जाती हैं और अपनी जरूरत के हिसाब से उनके लिए डोमेन तय करती हैं और जरूरी प्रशिक्षण देती हैं।

उभर रहे हैं नए क्षेत्र

तेजी से विकसित हो रहे बाजार में तकनीकें भी तेजी से बदल रही हैं। फिलहाल रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) का प्रयोग सभी कंपनियां कर रही हैं। आरपीए इस समय के सबसे प्रमुख स्किल्स में से एक है।

नए तकनीकी कौशल दिलाएंगे दोगुनी सैलरी

आर, जूलिया, हैडूप, स्क्रम मास्टर, डेवॉप्स जैसे टर्म्स आपको सुनने में अजीब लग सकते हैं, लेकिन कंपनियां अभी इन्हीं स्किल्स की मांग कर रही हैं। सपलीलर्न के आंकड़ों की मानें तो लोकप्रियप्रोग्रामिंग भाषा आर सीखने वाले युवा शुरुआती स्तर पर ही औसतन आठ लाख रुपये सालाना सैलरी पाते हैं। फ्रेशर को किसी आईटी कंपनी में औसतन 3.5 लाख रुपये सालाना सैलरी मिलती है। मोबाइल एप डेवलपर या हैडूप डेवलपर (हैडूप एक प्रोग्रामिंग फ्रेमवर्क है) को भी लगभग यही सैलरी मिलती है। जावा जानने वाले युवाओं की तुलना में इन्हें 25 प्रतिशत तक अधिक सैलरी मिलती है। आईओएस डेवलपर को एंड्रॉयड डेवलपर के मुकाबले कहीं ज्यादा तनख्वाह मिलती है, क्योंकि यह स्किल अभी भी कम लोगों के पास है। डाटाबेस प्रोग्रामिंग की समझ रखने वाले सुपरकोडर्स की मांग फिलहाल बाजार में बहुत ज्यादा है।

इन प्रोग्रामिंग भाषाओं की रहेगी मांग

मांग में रहने वाली कुछ प्रोग्रामिंग भाषाओं की सूची शामिल है। पीएचपी, रूबी ऑन रेल्स, सी, स्विफ्ट, एचटीएमएल, सीएसएस जावास्क्रिप्ट, जावा, पायथन, एलिक्जिर, रस्ट, गो, टाइपस्क्रिप्ट आदि प्रोग्रामिंग भाषाएं भी इस साल बाजार में मांग में रहेंगी।

ट्रेनिंग में दिखाएं रुचि

जेनपेक्ट में बतौर एसोसिएट स्पेशलिस्ट काम कर चुकीं अनुराधा झा के मुताबिक नई तकनीकी कौशल और प्रोग्रामिंग भाषाओं को सीखने के लिए यूं तो ज्यादातर बड़ी कंपनियां समय-समय पर अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराती रहती हैं। लेकिन इसके लिए भी आपको स्वेच्छा जाहिर करनी होगी। कई बार कंपनियां आपके लिए सर्टिफिकेशन कर सकने की सुविधा भी मुहैया कराती हैं।

चुनौतियों के लिए रहें तैयार

प्रोग्रामर्स के लिए आजकल सबसे बड़ी चुनौती दिनों-दिन आने वाली नई प्रोग्रामिंग भाषाएं और बढ़ रहे एप्लिकेशन डेवलपमेंट टूल्स हैं। अगर कोई डेवलपर ऐसी किसी तकनीक पर काम कर रहा है, जो ज्यादा इस्तेमाल में नहीं है, तो उसके लिए मुश्किल हो सकती है। उन्हें नई तकनीक सीखनी होगी। उदाहरण के लिए मेनफ्रेम तकनीक अब ज्यादा इस्तेमाल नहीं होती। आप नई तकनीक और प्रोग्रामिंग भाषाएं सीखकर बाजार में अपनी मांग बनाए रख सकते हैं। प्रोग्रामिंग से जुड़े बहुत से कोर्स ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जैसे फुल स्टैक वेब डेवलपमेंट, गेम डिजाइन एंड डेवलपमेंट, रिस्पॉन्सिव वेबसाइट डेवलपमेंट एंड डिजाइन, फुल स्टैक वेब एंड मल्टीप्लेटफॉर्म मोबाइल एप डेवलपमेंट, जावा प्रोग्रामिंग एंड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग फंडामेंटल्स, सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट मैनेजमेंट आदि।

प्रमुख नियोक्ता

भारत और पूरे विश्व के प्रमुख नियोक्ताओं में टीसीएस, आईबीएम, विप्रो, इंफोसिस, एचसीएल, एडॉब, ओरेकल, माइक्रोसॉफ्ट, सीएससी, स्टेरिया, एसेंचर आदि शामिल हैं।

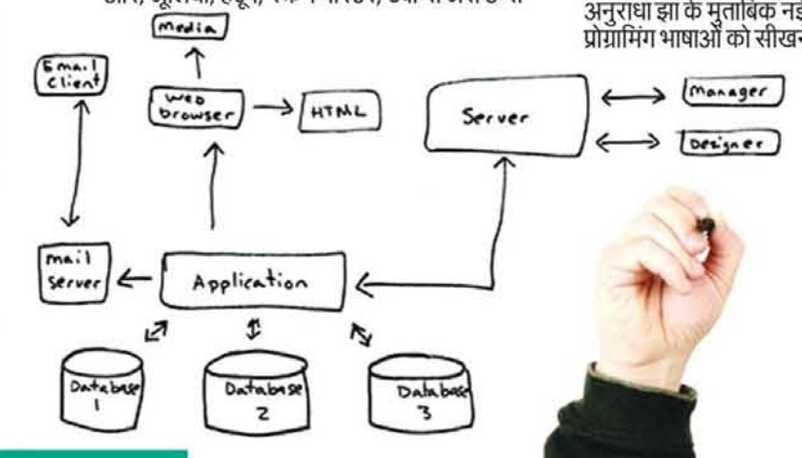

प्रोग्रामर

डिजिटल क्रांति के नायक

पिता के नक्शेकदम पर चलीं नवाजुद्दीन की बेटी, लंदन में कर रही हैं शेक्सपियर वर्कशॉप

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। नवाज की बेटी भी पिता के नक्शेकदम पर चल रही हैं और अभिनय का प्रशिक्षण ले रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि वह अपनी बेटी पर अभिनय की ट्रेनिंग के दौरान अच्छी रुचि विकसित करने के लिए पहले से ही दबाव डाल रहे हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन ने लोगों के जीवन में कला के महत्व पर चर्चा की और बताया कि यह कैसे इसे अर्जित किया जाता है। उन्होंने लंदन में अपने अभिनय स्कूल में शेक्सपियर वर्कशॉप में भाग लेने के लिए अपनी बेटी की सराहना की है। नवाजुद्दीन ने कहा, कला कोई नियमित चीज नहीं है, आपको इसके लिए एक टेस्ट के रूप में विकसित करना होगा। मैं अपने बच्चों को कला की सराहना करने और इसके बारे में जानने के लिए प्रेरित करता रहा हूं। मेरी बेटी 14 साल की है और वह पहले से ही लंदन में शेक्सपियर वर्कशॉप कर रही है। बहुत कम उम्र से ही, मैं उन पर यह तय करने के लिए दबाव डालता था कि वे क्या देखना चाहते हैं। नहीं तो वे खो जाते क्योंकि हर जगह बहुत सारे कंटेंट होते हैं। नवाजुद्दीन ने पहले साझा किया था कि उनकी बेटी का रुझान अभिनय की ओर है। वह उनकी परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। इसके बाद अभिनेता ने पढ़ने के महत्व पर चर्चा की और बताया कि कैसे ऑनलाइन डूम स्क्रॉल करने से दिमाग खराब हो रहा है। जब अभिनेता से पूछा गया कि वह अपने बच्चों को साहित्य और कविता पढ़ने के लिए कैसे तैयार करते हैं। इस पर अभिनेता ने कहा, मंटो, प्रेमचंद, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र पढ़ें। हमारे देश में महान लेखक हैं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के पालन-पोषण के तरीके में बदलाव की जरूरत है।

इन कलाकारों ने बनाई फिल्मों से दूरी, विजय दलपति भी लेने वाले हैं अभिनय से संन्यास

हाल में ही साउथ के बड़े सुपरस्टार और गोट फिल्म अभिनेता विजय दलपति ने भी घोषणा की है कि वह फिल्मी दुनिया को अलविदा कहने वाले हैं। आज इस क्रम में हम बात करेंगे, उन कलाकारों की, जो फिल्मी दुनिया से लगभग गायब हो चुके हैं। भारत में हर साल हजार से भी ज्यादा फिल्में बनती हैं। देश के अलग-अलग कोने में हर शुक्रवार फिल्मों की किस्मत तय होती है। कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल करती हैं, तो कुछ इतिहास से ऐसे गायब हो जाती हैं,जैसे गधे के सर से सींग। इस क्रम में कुछ ऐसे कलाकार भी शामिल हैं, जो फिल्मों की दुनिया में एक वक्त काफी सक्रिय होने के बावजूद फिल्मी दुनिया से गायब हो जाते हैं। इस दौरान कुछ कलाकार अपनी मर्जी से फिल्मी दुनिया से दूरी बना लेते हैं, तो कुछ फिल्मों की असफलता की वजह से गुमनामी में खो जाते हैं। हाल में ही साउथ के बड़े सुपरस्टार और गोट फिल्म अभिनेता विजय दलपति ने भी घोषणा की है कि वह फिल्मी दुनिया को अलविदा कहने वाले हैं। आज इस क्रम में हम बात करेंगे, उन कलाकारों की, जो फिल्मी दुनिया से लगभग गायब हो चुके हैं।

ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना अपने बयानों से लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा मशहूर हैं। ट्विंकल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1995 में रिलीज हुई फिल्म बरसात से की थी। इस फिल्म में वह मशहूर अभिनेता बॉबी देओल के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने बादशाह, जान, जुल्मी, जोरू का गुलाम आदि कई फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, फिल्मों में अपेक्षाकृत सफलता न मिलने पर उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया और इंटीरियर डिजाइनिंग में काफी नाम कमाया। वह एक मशहूर इंटीरियर डिजाइनर हैं।

आयशा टाकिया

आयशा टाकिया एक समय पर काफी चर्चित अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ फिल्म वांटेड में भी काम किया है। उन्होंने सलाम ए इश्क, संडे, डोर, टारजन द वंडर कार आदि कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, इन दिनों अभिनेत्री फिल्मी पर्दे से काफी दूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं, लेकिन लंबे वक्त से वह फिल्मी पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। उन्होंने शादी के बाद फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी।

साहिल खान

साहिल खान इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा मशहूर हैं। वह एक फिटनेस आइकन हैं, जिन्हें लोग काफी पंसद करते हैं। इंस्टाग्राम पर लाखो फैंस उन्हें फॉलो करते हैं। साहिल अक्सर अपनी आलीशान जिंदगी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा भी करते हैं। साहिल लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं, लेकिन एक वक्त वह कई फिल्मों में नजर आए थे। उन्होंने साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म स्टाइल और साल 2003 की एक्सक्यूज मी आदि कुछ फिल्मों में काम किया है।

रजत बेदी

रजत बेदी एक समय पर काफी व्यस्त कलाकार थे। उन्होंने चालीस से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्हें साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म कोई मिल गया के राज सक्सेना के रूप में काफी पहचान मिली थी। रजत ने इंटरनेशनल खिलाड़ी, इंडियन, ये दिल आशिकाना आदि कई फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। हालांकि, वह काफी लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं। इन दिनों वह बतौर बिजनेस मैन काफी सक्रिय हैं और मुंबई में अपना व्यापार चलाते हैं।

करियर की शुरूआत में परिणीति चोपड़ा से इनसिक्योर थीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट जल्द ही जिगरा फिल्म में नजर आने वाली हैं, इसका निर्देशन वसन बाला ने किया है फिल्म के पोस्टर जारी हो चुके हैं, जिसे देखकर आलिया के प्रशंसक फिल्म देखने के लिए काफी उत्सुक हो उठे हैं आलिया भट्ट ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म से अपना डेब्यू किया थी। फिल्म के रिलीज होने के बाद आलिया, करण जौहर के मशहूर चैट शो कॉफी विद करण में पहुंची थीं, जहां उन्होंने बताया था कि वो किस अभिनेत्री से इनसिक्योर महसूस करती हैं। आलिया ने कहा था कि वो परिणीति चोपड़ा से इनसिक्योर महसूस करती हैं, उन्होंने इच्छा जताई थीं कि काश वो भी उनकी तरह अच्छी होती, आलिया ने परिणीति की भाषा पर पकड़ की तारीफ भी की थी मालूम हो कि जिगरा के बाद आलिया भट्ट यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म एल्फा में भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

क्या 69 की उम्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करेंगे कमल हासन?

अभिनेता कमल हासन को सिनेमा में नई-नई चीजें करने के लिए जाना जाता हैं। नई चीज करने के लिए नया सीखना भी पड़ता है और ऐसे में कमल हासन कभी पीछे नहीं रहते। अब खबर आ रही है कि वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स करने वाले हैं। इसके लिए वो अमेरिका चले गए हैं।

तीन महीने तक चलेगा कोर्स

डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कमल हासन पिछले हफ्ते अमेरिका गए थे। उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स 90 दिनों तक चलेगा। कोर्स तो तीन महीने तक चलेगा, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि कमल हासन 45 दिनों तक ही पढ़ाई करेंगे। बता दें कि कमल हासन की उम्र 69 साल है। इस साल वो कल्कि 2898 एडी और इंडियन 2 में नजर आ चुके हैं। कल्कि 2898 एडी ने तो वर्ल्डवाइड 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया, लेकिन इंडियन 2 148.83 करोड़ ही कमा पाई। इसकी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई 81.32 करोड़ रुपये की हुई। आने वाले दिनों में उन्हें ठग लाइफ, इंडियन 3, विक्रम 2 और केएच 233 में देखा जाएगा। कमल हासन के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करने को लेकर कहा जा रहा है कि शायद वो अपने किसी नए प्रोजेक्ट में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। कमल हासन फिल्म इंडस्ट्री के तमाम कलाकारों से अपनी अलग पहचान रखते हैं। कमल हासन ने पिछले साल डेक्कन हेराल्ड को दिए साक्षात्कार में कहा था कि उनकी कमाई अलग-अलग माध्यमों से फिल्मों में ही वापस चली जाती है। उन्होंने कहा था कि अक्सर उनकी फिल्मों में नई तकनीक का इस्तेमाल देखा जा सकता हैं।

थिएटर से की शुरुआत, छोटे रोल में भी रहीं फिट और अब ओटीटी क्वीन के नाम से मशहूर हैं राधिका

कृति, मिस्ट्री ड्रामा फिल्म फोरेंसिक, हॉरर थ्रिलर वेब सीरीज घूल, क्राइम ड्रामा सीरीज सेक्रेड गेम्स और मोनिका ओ माय डार्लिंग जैसी तमाम शॉर्ट फिल्म और वेब सीरीज कर चुकी राधिका आप्टे ओटीटी क्वीन के नाम से मशहूर हैं। चाहे बात डैशिंग लुक की हो या एक सामान्य महिला के किरदार की, या स्क्रिप्ट की जरूरत के हिसाब से बोल्ड सीन देने की, हर रोल में राधिका खुद को बखूबी फिट कर लेती हैं। राधिका आप्टे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री में से एक हैं। उन्हें उनके स्वैग और स्टाइल के लिए भी जाना जाता है। फिल्में, वेब सीरीज और शॉर्ट मूवीज में सराहनीय काम कर चुकी इस अदाकारा का आज 39वां जन्मदिन है। एक समय था, जब राधिका आर्थिक तंगी के कारण बहुत परेशान थीं और मामूली खर्चे भी उठाना इनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन अपने हुनर के दम पर अब वह करोड़ों की मालकिन हैं और एक लैविश लाइफ जीती हैं। राधिका ने थिएटर से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। उन्होंने फिल्म वाह लाइफ हो तो ऐसी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वह सेक्रेड गेम्स, लस्ट स्टोरीज जैसी वेब सीरीज में एक अलग अंदाज में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने पैडमैन और अंधाधुंध जैसी बेहतरीन फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर राधिका आप्टे के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते हैं। राधिका का बोल्ड अंदाज भी किसी से छुपा नहीं है। वह अकसर ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। उनकी दिलकश अदाओं से भरी तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आती हैं।

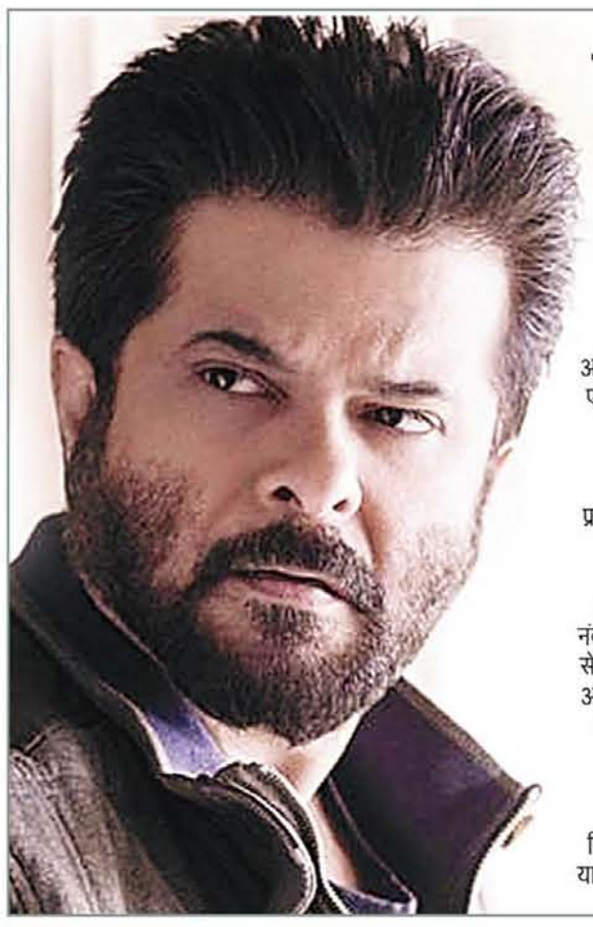

टाइम 100 एआई सूची में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता बने अनिल कपूर

अनिल कपूर टाइम मैगजीन की दूसरी वार्षिक टाइम 100 एआई सूची में जगह पाने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं। मशहूर अभिनेता ने ग्लोबल स्तर के बिजनेसमैन, तकनीकी प्रमुखों, वैज्ञानिकों और अभिनेताओं के बीच अपनी जगह बनाई है। जानकारी हो कि यह सूची उन प्रभावशाली हस्तियों का जश्न मनाती है जिन्होंने एआई के विकास में योगदान दिया है। टाइम 100 एआई सूची में अन्य उल्लेखनीय भारतीयों में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और इंफोसिस के को-फाउंडर और एकस्टेप के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि शामिल हैं। सूची में अनिल के शामिल होने से कई लोग आश्चर्यचकित हैं जो सोच रहे हैं कि 67 वर्षीय अभिनेता को इसमें जगह क्यों मिली है। आइए इसके पीछे की वजह जान लेते हैं। जानकारी हो कि साल 2023 में अनिल कपूर तब सुर्खियों में आए जब दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर कई वेबसाइटों और प्लेटफार्मों सहित 16 संस्थाओं को उनकी अनुमति के बिना व्यावसायिक लाभ के लिए उनके नाम, आवाज, छवि या अन्य व्यक्तिगत विशेषताओं का दुरुपयोग करने से रोक दिया। अनिल के मॉर्फ्ड वीडियो और मशहूर डायलॉग झक्कास के बड़े पैमाने पर प्रसारित होने के बाद अदालत ने हस्तक्षेप किया। अभिनेता ने पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल अपनी 1985 की फिल्म युद्ध में किया था। इस सूची में अनिल के साथ हॉलीवुड स्टार स्कारलेट जोहानसन भी शामिल हो गई हैं। सितंबर 2023 में, उन्होंने एक बयान जारी कर दावा किया था कि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने उन्हें सिस्टम में अपनी आवाज देने के लिए शामिल करने की कोशिश की थी। उनके अनुसार, यह उन लोगों के लिए आरामदायक होगा जो तकनीक से परिचित नहीं हैं। 39 वर्षीय ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। काम के मोर्चे पर, अनिल कपूर को आखिरी बार साल 2023 की फिल्म एनिमल में देखा गया था। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे और उन्होंने अनिल के बेटे की भूमिका निभाई थी। रिवेंज ड्रामा में रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, तृप्ति डिमरी और कई अन्य सितारों ने भी अभिनय किया।

बॉलीवुड के बिग बी ने कहा, काम का हर दिन मेरे लिए नई सीख है

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ऊर्फ बिग बी का कहना है कि उनके लिए हर दिन कुछ न कुछ सीखने वाला होता है। उनके जीवन का हर एक दिन एक ऐसे नए पहलू से उन्हें रूबरू कराता है, जो जीवन और जीने की वास्तविकता को एक नया रंग देता है। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम का प्रत्येक दिन मेरे लिए सीख है... सिर्फ काम ही नहीं, बल्कि एक और दिन ऐसे तत्वों से भरा है जो हमें जीवन और जीने की वास्तविकता के करीब लाता है। उन्होंने आगे बताया, प्रत्येक दिन हम जीवन को देखते हैं और जानते हैं और कभी-कभी हमारी आंखों में आश्चर्य होता है... देखें कि आप कहां हैं, और आपके भीतर क्या है। किसी नुकसान पर विलाप करने का कोई मतलब नहीं है। इसे स्वीकार करें और अपने और अपने ऊपर निर्भर लोगों के लिए बेहतर जीवन जीने के लिए मेहनत करें। आपकी ताकत आपके भीतर है और केवल आप ही अपनी जरूरत के हिसाब से इसका उपयोग कर सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 16 को होस्ट कर रहे हैं। शो में उन्हें पदक विजेता मनु भाकर से शूटिंग के रहस्य सीखते हुए भी देखा गया। एक एपिसोड में बिग बी ने ओलंपिक पदक विजेता मनु और अमन सहरावत का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया और उनकी ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी।

गांव-सेक्टर जाकर लोगों की समस्याएं सुनें व पार्टी से जोड़ें कांग्रेसी : विदित चौधरी

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक होटल नोएडा ग्रांड सैक्टर-121 में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव की अध्यक्षता में आहूत की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नवनियुक्त सचिव एवं हिमाचल के प्रभारी विदित चौधरी सम्मलित हुए। महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर एवं माला पहना कर विदित चौधरी का स्वागत किया।

अध्यक्ष मुकेश यादव ने नवनियुक्त कमेटी के पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं उनका परिचय राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश कमेटी के उपस्थित अन्य पदाधिकारियों से करवाया गया। इस अवसर पर पहली बार कमेटी में शामिल हुई सुमन राय एवं संजय यादव को कांग्रेस का पटका पहना कर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि सभी पदाधिकारी गांव गांव और सेक्टरों में जाकर लोगों की समस्याओं को सुने और उनको अपने साथ जोड़कर कांग्रेस को मजबूत करें।

बैठक में प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, प्रदेश सचिव पुरूषोतम नागर, अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, उपाध्यक्ष दिनेश अवाना, राजकुमार भारती, चरण सिंह यादव, प्रदेश सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर पवन शर्मा, रोहित सपरा, रामकुमार शर्मा, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, इंद्रजीत तिवारी, एस एस राणा, आर के प्रथम, शयद मजहर हुसैन, मधुराज, वीरो देवी, वरिष्ठ नेता शाहिद खान एवं वीरेंद्र मुखिया उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं की सेवा को सदैव तत्पर बैंक ऑफ इंडिया : जनार्दन सिंह

सेक्टर-22 में बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 119वां स्थापना दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-22 स्थित बैंक ऑफ़ इंडिया की ब्रांच के सीनियर मैनेजर जनार्दन सिंह ने वयोवृद्ध उपभोक्ता शीशपाल यादव, समाजसेवी कालीदास शर्मा व अन्य उपभोक्ताओं के साथ केक काटकर बैंक का 119वां स्थापना दिवस मनाया। सीनियर मैनेजर जनार्दन सिंह ने कहा कि 7 सितंबर 1906 को बैंक की स्थापना की गई थी। पिछले एक शताब्दी से अधिक समय से बैंक उपभोक्ताओं की कसौटी पर पूरी तरह खरा उतर रहा है। बैंक अधिकारियो व कर्मचारियों की कार्यशैली से बैंक आफ इंडिया ने बैंकिंग क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। श्री सिंह ने कहा कि नोएडा के सेक्टर-22 की शाखा में करीब 25 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। वयोवृद्ध उपभोक्ताओं के लिए बैंक द्वारा डोर स्टेप बैंकिंग की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत वृद्ध उपभोक्ताओं को उनके आवास पर ही बैंकिंग सुविधा का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ताओं को जरूरत पड़ने पर सरल प्रक्रिया के तहत बैंक द्वारा लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। बैंक के पोर्टल से भी उपभोक्ता लोन के लिए आवेदन कर इसका लाभ उठा रहे हैं। बैंक द्वारा म्युचुअल फंड, हेल्थ जनरल इंश्योरेंस,गोल्ड लोन, हाउसिंग लोन सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा बैंक कर्मियों द्वारा प्रत्येक उपभोक्ताओं से बेहतर सामंजस्य स्थापित कर उन्हें बैंकिंग सुविधाओं की नियमित जानकारियां उपलब्ध कराई जाती हैं।

सीनियर मैनेजर श्री सिंह ने कहा कि उनका व बैंक कर्मियों का प्रयास रहता है कि सभी उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए वह समय-समय पर उपभोक्ताओं से फीडबैक लेकर उनकी समस्याओं का हर संभव निदान करते हैं।

इस मौके पर बैंक के वयोवृद्ध उपभोक्ता शीशपाल यादव व समाजसेवी कालीदास शर्मा ने बैंक कर्मियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में बैंक ऑफ़ इंडिया ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

इस मौके पर बैंक ऑफ़ इंडिया के असिस्टेंट मैनेजर शैलेंद्र कुमार, प्रीति झा, मेघाली नागपाल, नीतिका गुप्ता, कोमल, राजीव सागर, निशा रानी, प्रशांत टंडन, मूलचंद राणा, डॉ. एके सिंह, शिवम कुमार, देवेंद्र सिंह रावत, रामदास, आयुष सहित अन्य कर्मचारी व बैंक के उपभोक्ता मौजूद थे।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, 8 बाइक बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 नोएडा पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। बदमशों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की 7 मोटर साईकिल, एक 1 स्कूटी व एक तंमचा समेत अन्य सामान बरामद किया है।

एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-39 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए 2 अन्तर्राज्यीय वाहन चोर अभिषेक पुत्र राजेश तथा अरुण पुत्र बाबूलाल को सोम बाजार कट सेक्टर-37 के पास से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि वाहन चोरों के जिनके कब्जे व निशादेही से दिल्ली एनसीआर से चोरी की गई कुल 7 मोटर साईकिल, एक 1 स्कूटी व एक तंमचा समेत अन्य सामान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बरामद वाहनों में से 5 वाहन दिल्ली व 2 वाहन हरियाणा से एवं एक वाहन थाना सेक्टर-39 क्षेत्र से चोरी से संबंधित है।

गुड़गांव में एक कार्यक्रम के दौरान सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष व उद्यमी अनुज गुप्ता को आईकॉन अवार्ड से सम्मानित करते फिल्म अभिनेता संजय कपूर।

कृष्ण कथा ज्ञान यज्ञ के पूर्व निकली कलश यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। 15 सितंबर रविवार तक सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-19 नोएडा में कृष्ण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुरू हो चुका है। इसके पूर्व रविवार को विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली गई। जो सेक्टर-20 हनुमान मंदिर से 8 सितंबर सांय 4 बजे प्रारंभ होकर सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर पहुंची।

इस दौरान इस्कॉन के सह अध्यक्ष व प्रवक्ता वंशीधर दास भी मौजूद थे।

रजत विहार में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक शिव शक्ति मंदिर में नए मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अयोजित किया गया। पुजारी घनश्याम चतुर्वेदी ने बताया कि मंदिर में हिरण गणेश, गौरी माता, कार्टिकय, नंदी महाराज जी की नई मूर्ति पूरे विधि विधान पूजा के साथ मंदिर में स्थापित किया गया।

सबसे पहले प्रतिमा को गंगाजल या विभिन्न पवित्र नदियों के जल से स्नान कराया गया, फिर स्वच्छ वस्त्र से मूर्ति को पोछकर नवीन वस्त्र धारण गया। इसके बाद प्रतिमा को शुद्ध एवं स्वच्छ स्थान पर विराजित करके चंदन का लेप लगाकर श्रृंगार किया गया। फिर बीज मंत्रों का पाठ कर प्राण-प्रतिष्ठा की गया। हवन किया गया। यह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सभी निवासियों के सहयोग से आयोजन किया गया।

इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष आरके पांडे सहित अन्य सदस्य और आरडब्ल्यूए प्राधिकारी मौजूद रहे।

केन्द्र की नीति से खांडसारी उद्योग पर छाये संकट के बादल

नोएडा (चेतना मंच)। खांडसारी उद्योग पर केंद्र सरकार की नई नीति से छोटे किसानों, श्रमिकों और खांडसारी उद्योग की आजीविका पर संकट व्याप्त है।

सरकार शुगर कंट्रोल ऑर्डर 2024 लागू करने जा रही है। इसी संबंध में उत्तर प्रदेश खांडसारी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन की टीम केंद्रीय मंत्री पहलाद जोशी से मिली और एक पत्र के माध्यम से खांडसारी उद्योग को इससे बाहर रखने की मांग की गई। इसके अलावा एसोसिएशन ने कई सुझाव मांगें सरकार के समक्ष रखीं। जिसमें कहा गया कि खांडसारी उद्योग सीमांत क्षेत्रों में लघु उद्योग की श्रेणी में आता है और खांडसारी शुगर का उत्पादन (ओपेन पेन) परंपरागत द्वारा जबकि चीनी मिलों के द्वारा (वैक्यूम पेन) के साथ आटोमैटिक मशीनों से निर्मित किया जाता है जिसकी वजह से खांडसारी सुगर की रिकवरी चीनी मिलों की अपेक्षा 25-30 प्रतिशत कम रहती है।

गन्ना ख़रीद-खांडसारी उद्योगों को गन्ना की उपलब्धता हेतु कोई भी एरिया रिज़र्वेशन नहीं होता है जबकि चीनी मिलों को गन्ना किसानों का एरिया रिज़र्वेशन सुनिश्चित होता है।

चीनी मिलों के द्वारा अस्वीकृत गन्ना भी खांडसारी उद्योगों के द्वारा ही ख़रीदा जाता है। छोटे छोटे किसानों को अपने खेतों को ख़ाली कर अगली फ़सल की बुवाई के लिए गन्ना बेचने हेतु खांडसारी ही नक़द भुगतान उपलब्ध कराता है जिससे ज़रूरतमंद किसानों की त्वरित भुगतान की समस्या का निदान भी खांडसारी के माध्यम से ही होता है जबकि छोटे छोटे गन्ना किसानों के द्वारा चीनी मीलों तक अपना उत्पादित गन्ना चीनी मिलों मे पहुँचाना एवं उनके भुगतान की प्रक्रिया काफ़ी लंबी एवं असहज होती है।

गन्ना पिराई क्षमता- खांडसारी उद्योगों की गन्ना पिराई क्षमता मात्र 500-1500 टन प्रतिदिन जबकि चीनी मिलों की गन्ना पिराई क्षमता 7500-15000 टन प्रतिदिन हैं जिसकी वजह से खांडसारी उद्योग के द्वारा मात्र कुल गन्ना उत्पादन का 2 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत ही पिराई की जाती हैं। चीनी मिलों के द्वारा विविध उत्पादन एथनॉल, बायो गैस एवं पावर जनरेशन इत्यादि का उत्पादन करता है जबकि खांडसारी उद्योग सीमित संसाधनों के कारण अन्य उत्पादों का उत्पादन करने में सक्षम नहीं हैं।

उपरोक्त कारणों से खांडसारी उद्योग को यदि चीनी मिलों के साथ जोड़ दिया जाता है तो यह निश्चित ही खांडसारी उद्योग बंद हो जाएगा जिससे चीनी मिलों का गन्ना किसानों पर एकाधिकार हो जाएगा जिससे छोटे छोटे गन्ना किसानों का अहित होगा।

उत्तर प्रदेश एवं खांडसारी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन का सुझाब है कि खांडसारी उद्योगों को शुगर कंट्रोल से अलग ही एवं यथावत रखा जाए अन्यथा खांडसारी उद्योग निश्चित ही बंद हो जाएगा और छोटे गन्ना किसानों की परेशानियाँ भी बढ़ जाएगी।